A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 04 फरवरी, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-155 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

छूट गयी है घड़ी तुम्हारी
भाग-दौड़ में यहीं मेज़ पर
शायद, मेज़पोश पर तुमने
अपनी बीती रात छोड़ दी!
नज़र घड़ी पर टिकी हुई पर,
मुझे समय का ध्यान नहीं है
जिसकी टिक-टिक-टिक से मेरी
नयी-नयी पहचान नहीं है।
लगता है फिर घहराएँगे,
यादों के घन सघन हृदय पर
यूँ कर, रात न छोड़ी तुमने,
किस्तों में सौगात छोड़ दी
पहले मुझको नहीं पता था
ब्राण्ड व्राण्ड का अंतर-वंतर।
चेन-घड़ी का ब्राण्ड देखकर
लगा कि ये है ज़्यादा बेहतर।
सीधा-सादा मन है मेरा,
इसीलिए दिलचस्पी कम थी
आज शांत मन सोच रहा पर,
अच्छी तुमने बात छोड़ दी !
इसकी सुई घूम कर जैसे
एक जगह पर वापस आती ।
वैसे याद घूम कर दिल के
भीतर आती, मुझे रुलाती ।
तुमने नए कैलेंडर से बस,
दो पल मेरे नाम किया है
लेकर साथ बसंत गए तुम,
पीछे इक बरसात छोड़ दी!

- अंकिता सिंह

चुनाव विश्लेषण

दिल्ली विस चुनाव: केजरीवाल की नैया डूबेगी या पार लगेगी?

आशुतोष

आम आदमी पार्टी क्या दिल्ली में फिर कमाल करेगी? क्या वो चौथी बार सरकार बना कर नया इतिहास रचेगी? क्या केजरीवाल फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे? ये सवाल मौजूदा चुनाव के दौरान दिल्ली के लोगों को मथ रहे हैं। ऐसे में जब कि दिल्ली में मतदान में कुछ ही दिन बाक़ी हैं, ये सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या ये वही 'आप' है जो देश में राजनीतिक व्यवस्था को बदलने का वादा करके सत्ता में आयी थी? क्या केजरीवाल वही नेता हैं जो रोज राजनेताओं को जी भर-भर के गालियाँ दिया करते थे?

आप दिल्ली और देश की राजनीति में एक धूमकेतु की तरह उभरी थी। वो एक उम्मीद थी कि देश की राजनीति बदलेगी। देश में बेईमान नेताओं की जगह ईमानदार लोगों के हाथ सत्ता की चाभी होगी। आम आदमी की सुनी जायेगी। उनके हितों की रक्षा की जायेगी। राजनीति नेताओं का पेट नहीं भरेगी, वो लोगों की तकलीफ़ों का इलाज करेगी। आप से उसे उम्मीद थी। लेकिन 2025 आते-आते वो उम्मीद जाती रही। केजरीवाल की पार्टी आज दूसरे दलों की तरह हो गई है। केजरीवाल अब कोई क्रांतिकारी नेता नहीं रहे। वो भी दूसरे नेताओं की जमात में शामिल हैं। ऐसे में 2025 विधानसभा का चुनाव एक सामान्य चुनाव है।

2013, 2015 और 2020 विधानसभा चुनाव में आप को एक नैतिक ताक़त के तौर पर देखा जाता था। लेकिन 2020 से 2025 में ज़मीन आसमान का फ़र्क़ आ चुका है। ये चुनाव आप और बीजेपी के बीच एक सामान्य चुनाव है। दो दलों के बीच चुनाव है। जिसमें कोई भी दल नैतिकता का दावा नहीं कर सकता जैसा 'आप' अब तक करती रही थी। ऐसे में लड़ाई ज़बरदस्त है और ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या बीजेपी दिल्ली में आप को टक्कर दे पायेगी?

इस चुनाव में 'आप' के खिलाफ़ तीन चीज़ें जा रही हैं।

1. 2013 के बाद 'आप' का लगातार सरकार में रहना। उसके खिलाफ़ सरकार विरोधी नाराज़गी दिख रही है जो किसी भी उस सरकार के खिलाफ़ होती है जो लंबे समय तक सत्ता में रहती है।

2. 'आप' के शीर्ष नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। खुद केजरीवाल छह महीने जेल में रहे। शराब घोटाले का पूरा सच आना बाक़ी है लेकिन 'शीशमहल' दिल्ली वालों की आँखों के सामने है। केजरीवाल वही नेता हैं जो कहा करते थे कि मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों को दो कमरे के फ़्लैट में रहना चाहिये। क्या वो चुनाव जीतने का एक पाखंड था?

3. आप के पास अब पहले वाले कर्मठ कार्यकर्ता नहीं बचे हैं जो 2013 और 2015 में घंटों चौराहों और मेट्रो स्टेशनों पर पोस्टर लिये खड़े रहते और पर्चे बाँटते थे। ये पैसे से ख़रीदे वालंटियर नहीं थे। आज आप को कार्यकर्ताओं की फ़ौज खड़ी करने के लिये पैसे देने पड़ रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में दिल्ली के लोग केजरीवाल के नाम पर वोट करते थे। लोकसभा में वो मोदी को चुनते हैं। विधानसभा चुनाव में 'आप' को 2015 और 2020 में तक़रीबन 54 प्रतिशत वोट पड़ा। लेकिन लोकसभा में उसके वोट में भारी कमी हो जाती है।

लोकसभा में बीजेपी को 54 प्रतिशत से ज़्यादा वोट 2020 और 2024 में मिले। लेकिन विधानसभा चुनाव में बीजेपी पिट जाती है। लेकिन इस बार लगता है कि 'आप' के वोट में कमी आयेगी और बीजेपी का वोट शेयर 2020 की तुलना में बढ़ सकता है। ऐसे में हार-जीत इस बात पर निर्भर करेगी कि कांग्रेस किसका और कितना वोट काटेगी। अगर कांग्रेस मज़बूती से चुनाव लड़ी और वो 10 प्रतिशत से अधिक वोट लेकर आयी तो बीजेपी को नुक़सान होगा क्योंकि इससे 'आप' विरोधी वोट में सेंध लगेगी और 'आप' फ़ायदे में रहेगी। और अगर चुनाव बीजेपी और 'आप' में बंट गया तो फिर 'आप' को नुक़सान हो सकता है और वो चुनाव में घाटे में रह सकती है।

'आप' से दिल्ली में ऊपरी मध्यमवर्ग काफ़ी नाराज़ है। उसे लगा था कि 'आप' एक क्रांति कर सकती है। लेकिन अब उसका भ्रम टूट गया है। ऐसे में 'आप' को दिल्ली चुनाव में तीन तबके बचा सकते हैं- मुस्लिम, दलित और महिला।

1. **मुस्लिम वोटर:** मुस्लिम वोटरों की पहली पसंद कांग्रेस है लेकिन वो बीजेपी को हरा नहीं सकती। इसलिये मन मार कर मुसलमान 'आप' को वोट देगा। सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक़ 2020 के चुनाव में 83 प्रतिशत मुस्लिमों ने 'आप' को वोट दिया था। इसमें थोड़ी कमी आ सकती है लेकिन इतना नहीं कि 'आप' को नुक़सान हो। मुसलमानों को लगता है कि 'आप' ने शाहीन बाग आंदोलन में उनकी मदद नहीं की, दिल्ली दंगों के दौरान उनके साथ पार्टी और सरकार खड़ी नहीं हुई, वो सॉफ्ट हिंदुत्व की बात करती है, फिर भी वो बीजेपी की तरह नफ़रत नहीं फैलाती।

2. **दलित वोटर:** 2020 में 69 प्रतिशत दलितों ने 'आप' को वोट दिया था। ऐसा सीएसडीएस का सर्वे कहता है। 'आप' पहले गांधी की बात करती थी अब वो बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की तस्वीर अपने दफ़्तरों में लगाती है। 'आप' को दलित आंदोलन की कितनी समझ है, ये अलग तरह का सवाल है लेकिन दलित 'आप' को छोड़ कर बीजेपी के पास जायेंगे कहना मुश्किल है। 'संविधान बचाओ अभियान' की वजह से कांग्रेस दलितों की पसंद हो सकती थी लेकिन चूँकि वो बीजेपी को हराने की स्थिति में नहीं लिहाज़ा वो 'आप' पर ही भरोसा करेगी।

3. **महिला वोटर:** महिला वोटर दरअसल इस चुनाव का सबसे बड़ा तुरुप का पत्ता है। पिछली बार 60 प्रतिशत महिलाओं ने 'आप' को वोट दिया था, और सिर्फ़ 35 प्रतिशत ने बीजेपी को चुना था। यानी 25 प्रतिशत का फ़ासला था, ऐसा सीएसडीएस का सर्वे कहता है। पुरुषों में मुक़ाबला काफ़ी क़रीबी था। 49 प्रतिशत ने 'आप' को और 43 प्रतिशत पुरुषों ने बीजेपी को वोट दिया था। बिजली-पानी मुफ़्त होने की वजह से महिलायें काफ़ी खुश थीं। इस बार 'आप' ने बस यात्रा मुफ़्त कर महिलाओं को काफ़ी खुश करने की कोशिश की है। वैसे यह सोने में सुहागा हो गया है कि 'आप' का वादा कि वो 18 साल से बड़ी महिलाओं को वो जीतने के बाद 2100 रुपये प्रति माह देगी, बीजेपी ने भी 2500 का दांव लगा दिया है। लेकिन 'आप' पर दिल्ली में लोग ज़्यादा भरोसा करते हैं क्योंकि उसने बिजली पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य पर वादा पूरा किया है।

ये तीन तबक़े इस चुनाव में केजरीवाल के संकट मोचक साबित होंगे। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि 2020 की तरह ही महिलाएँ छप्पर फाड़ कर वोट देंगी। कमी आयेगी लेकिन इतनी नहीं कि 'आप' की नैया डुबो दे।

(सत्य हिंदी पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बसंत पंचमी पर और भव्य -दिव्य हुआ महाकुंभ

उमड़ा आस्था का जनसैलाब, 2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। वसंत पंचमी पर महाकुंभ का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान हुआ। हाथों में तलवार-गदा, डमरू और शंख। शरीर पर भभूत। आंखों पर काला चश्मा। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंच रहे हैं। महाकुंभ का आज 22वां दिन था। 6 बजे तक 2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक 34.97 करोड़ से ज्यादा लोग डुबकी लगा चुके हैं।

सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संत संगम पहुंचे। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने अमृत स्नान किया। अब तक 13 में से 10 अखाड़े स्नान कर चुके हैं। संतों का आशीर्वाद लेने के लिए लाखों

श्रद्धालु संगम पर हैं। लोग नागा साधुओं की चरण रज माथे पर लगा रहे हैं। 30 से ज्यादा देशों के लोग भी अमृत स्नान देखने के लिए संगम पहुंचे हैं। हेलिकॉप्टर से संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाए गए। संगम जाने वाले सभी रास्तों पर 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला है। प्रयागराज जंक्शन से 8 से 10 किमी पैदल चलकर लोग संगम पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर को बंद कर दिया गया है। मेला क्षेत्र के सभी रास्ते वन-वे हैं।महाकुंभ का आज 22वां दिन था । 4 बजे तक 1.98 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान कर चुके थे। 13 जनवरी से अब तक 34.97 करोड़ से ज्यादा लोग डुबकी लगा चुके हैं।

सीएम योगी ने महाकुंभ की मॉनिटरिंग की

महाकुंभ मेले में 60 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं। भीड़ संभालने के लिए 100 से ज्यादा नए आईपीएस को भी उतारा गया है। हेलिकॉप्टर से भीड़ की मॉनिटरिंग की जा रही है। 2750 सीसीटीवी भी लगाए गए हैं। लखनऊ में सीएम आवास पर कंट्रोल रूम बनाया गया है। डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह और सीनियर अफसरों के साथ योगी तड़के 3 बजे से खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

लोकसभा में बोले राहुल गांधी

पीएम मोदी का 'मेक इन इंडिया' विचार अच्छा था, लेकिन फेल रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र में आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है। बीजेपी के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। वहीं, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी को बोलने का मौका दिया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने धन्यवाद कहा और कैमरे के लिए डबल थैंक्यू भी बोला। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं था। वे सोच रहे थे कि अगर इंडिया ब्लॉक की सरकार होती, तो राष्ट्रपति का अभिभाषण कैसा होता। इसमें बेरोजगारी का कोई जिक्र नहीं किया गया। ना तो यूपीए और ना ही एनडीए ने युवाओं के रोजगार के सवाल पर स्पष्ट जवाब दिया।

प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' के विचार को राहुल गांधी ने अच्छा बताया, लेकिन कहा कि

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कोई खास सफलता नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि वे प्रधानमंत्री पर आरोप नहीं लगा रहे, क्योंकि पीएम ने प्रयास किए, विचार सही था, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए।

मैन्युफैक्चरिंग 60 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में मैन्युफैक्चरिंग 60 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' पर बात करते हुए एक फोन दिखाया और कहा कि भले ही हम कहें कि यह भारत में बना है, लेकिन इसके अधिकांश पार्ट्स चीन से आए हैं और यहां असेंबल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने कंजम्प्शन पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके कारण असमानता बढ़ी है। राहुल गांधी ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और हम पेट्रोलियम से बैटरी और परमाणु ऊर्जा की ओर बढ़ रहे हैं।

भारतीय ज्ञान के आयामों पर शोध में समाज को भी योगदान देना होगा : मुख्यमंत्री

सम्पूर्ण विश्व विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ऋषि स्वरूप व्यक्तित्व के श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी ने दीपक के समान स्वयं जलकर विचारों का प्रकाश समाज को प्रदान किया। कृषि, श्रमिकों की स्थिति और स्वदेशी के क्षेत्र में उनका विचार उज्जवल नक्षत्र के समान हैं, जो समाज को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे। विद्यार्थी परिषद के संस्थापक सदस्य के रूप में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। वे हिंदुत्व को राष्ट्रीयता से आगे विश्व बंधुत्व के रूप में देखते थे। उनका मानना था कि चराचर जगत में हिंदुत्व के विचार का विस्तार मनुष्य, समाज, राष्ट्र और मानवता तक है। वर्तमान समय में उनके विचार अधिक समसामयिक हो जाते हैं, सम्पूर्ण विश्व विभिन्न समस्याओं में मार्गदर्शन और उनके समाधान के लिए भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है। भारत अपनी यह भूमिका प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा के आधार पर ही निभा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न आयामों पर शोध की आवश्यकता अधिक बढ़ जाती है, शोध के क्षेत्र में शासन के साथ-साथ समाज को भी योगदान देना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के नवीन परिसर भवन के भूमि-पूजन और कार्य आरंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विचारक एवं लेखक श्री सुरेश सोनी सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

'संकेत रेखा' का हुआ विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बसंतोत्सव के अवसर पर लिंक रोड नंबर तीन पर आयोजित कार्यक्रम में बाबा महाकाल के चित्र पर माल्यार्पण कर भूमि-पूजन एवं कार्य आरंभ में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भूमि-पूजन स्थल पर पौधा भी रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान की वार्षिक स्मारिका 'संकेत रेखा' का विमोचन किया। इसके साथ ही संस्थान द्वारा दिनांक 01 से 03 मार्च 2025 तक आयोजित नेशनल रिसर्चर्स मीट के पोस्टर का भी विमोचन किया।

5 फरवरी को सीएम डॉ. यादव शासकीय शालाओं के प्रतिभाशाली 7,900 बच्चों को प्रदान करेंगे ई-स्कूटी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 5 फरवरी बुधवार को प्रातः 11 बजे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में शासकीय स्कूलों के प्रतिभाशाली 7,900 बच्चों को निःशुल्क स्कूटी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह एवं जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह भी उपस्थित रहेंगे।प्रदेश में संचालित शासकीय हायर सेकण्डरी विद्यालयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थी को निश्शुल्क ई-स्कूटी प्रदान करने की योजना स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित की जा रही है।

महाकुंभ भगदड़ पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा- घटना दुर्भाग्यपूर्ण, हाईकोर्ट जाएं

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गाइडलाइन्स जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस दलील पर संज्ञान लिया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर को कुंभ में भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। साथ ही याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा।दरअसल, कुंभ में भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दाखिल की थी। इसमें देशभर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई थी।

मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने फोरेंसिक रिपोर्ट मांगी

मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैब से सीलबंद लिफाफे में 6 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, कुछ ऑडियो क्लिप सामने आए हैं, जिसमें मणिपुर के सीएम पर हिंसा करवाने का आरोप है। कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट ने इन ऑडियो क्लिप की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है।

पीएम मोदी छात्रों से बोले-

आप अपनी सरकार की इमेज के लिए उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली में छात्रों के साथ परीक्षा पर चर्चा की। इस दौरान में आप ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा-आप अपनी सरकार की इमेज सुधारने के लिए बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।

उन्होंने कहा- मैंने सुना है कि दिल्ली में आप सरकार बच्चों को 9वीं कक्षा के बाद आगे नहीं जाने देते। केवल उन्हीं बच्चों को आगे जाने दिया जाता है, जिनकी पास होने की गारंटी होती है। पीएम ने आप सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा- अगर उनका रिजल्ट खराब आता है, तो उनकी सरकार की इमेज खराब हो जाएगी। आप सरकार अपनी इमेज सुधारने के लिए ऐसा कर रही है। ऐसा करके छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c

न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार,04 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कांग्रेस नेता के बयान पर भड़के जयशंकर

- 'मेरी अमेरिका यात्रा को लेकर झूठ बोल रहे राहुल गांधी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण को लेकर ऐसा दावा किया कि सदन में हंगामा मच गया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

वहीं अब इस पर विदेश मंत्री जयशंकर का बयान भी आ गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान राजनीति से प्रेरित है। जयशंकर ने कहा कि दिसंबर

2024 का अमेरिका दौरे के वक्त वह बाइडन प्रशासन के विदेश मंत्री और एनएसए से मिलने गए थे।

क्या बोले थे राहुल गांधी?- दरअसल राहुल गांधी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान दिए अपने संबोधन में कहा था कि विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम मोदी को निमंत्रण दिलाने के लिए कई बार अमेरिका का दौरा किया।

अगर हमारे पास प्रोडक्शन सिस्टम होता और हम इन टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे होते, तो अमेरिकी राष्ट्रपति खुद आकर यहां प्रधानमंत्री को निमंत्रण देते।

जयशंकर ने दिया जवाब- एस जयशंकर ने कहा, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिसंबर 2024 के मेरे अमेरिका दौरे के बारे में जानबूझकर झूठ बोला। मैं बाइडन प्रशासन के विदेश मंत्री और एनएसए से मिलने गया था। साथ ही हमारे महावाणिज्य दूत की एक सभा की अध्यक्षता भी की।

कश्मीर में आतंकियों ने रिटायर्ड लांस नायक की हत्या की

- फायरिंग में पत्नी और बेटी घायल; सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरा, सर्चिंग जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सोमवार को आतंकियों ने रिटायर्ड लांस नायक के

परिवार पर हमला किया। इसमें पूर्व सैनिक की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी और बेटी घायल हो गई हैं। हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके की घेराबंदी की गई है। सुरक्षाबल उनकी तलाश में जुटे हैं।

घटना दक्षिणी कश्मीर में कुलगाम के बेहीबाग इलाके में हुई। आतंकियों ने रिटायर्ड लांस नायक मंजूर अहमद के परिवार पर दोपहर 2:45 बजे गोलीबारी की। फायरिंग में अहमद, पत्नी आइना और बेटी साइना घायल हो गए। तीनों को श्रीनगर हॉस्पिटल ले जाया गया।

इलाज के दौरान मंजूर अहमद की मौत हो गई। उनकी पत्नी और बेटी का इलाज जारी है। मंजूर के पेट में गोली लगी थी, जबकि उनकी पत्नी के पैर और बेटी के हाथ में गोली लगी थी। वह पत्नी और बेटी के साथ कार में थे, जब आतंकियों ने उन पर नजदीक से गोली चलाई।

सीरिया में कार में जोरदार धमाका, 19 लोगों की मौत; एक दर्जन से अधिक घायल

दमिश्क (एजेंसी)। उत्तरी सीरियाई शहर के बाहरी इलाके में एक कार बम ब्लास्ट हुआ है। इस विस्फोट में कम से कम 19 लोगों के मारे जाने की खबर है। मृतकों में

अधिकांश महिलाएं शामिल है। इस ब्लास्ट एक दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। कार में विस्फोट मनबिज शहर के बाहरी इलाके में एक वाहन के बगल में हुआ, जिसमें ज्यादातर महिला कृषि श्रमिक थीं। समाचार एजेंसी के अनुसार अस्पताल के एक नर्स मोहम्मद अहमद ने कहा कि मृतकों में 18 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। स्थानीय सीरियाई नागरिक सुरक्षा के अनुसार, 15 अन्य महिलाएं घायल हुईं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता शकील अहमद खान के बेटे ने की आत्महत्या

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के बेटे ने आत्महत्या कर ली है।कांग्रेस के दिग्गज नेता के 18 वर्षीय बेटा आयान ने राजधानी पटना स्थित एमएलसी आवास पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सचिवालय डीएसपी ने इसकी पुष्टि की। आत्महत्या का कारण अब तक सामने नहीं आया है।

बसंत पंचमी पर धार की भोजशाला में वाग्देवी पूजन

उज्जैन में सरस्वती माता को चढ़ाई स्याही

धार/उज्जैन/दमोह (नप्र)। बसंत पंचमी पर धार की भोजशाला में सोमवार सुबह से ही वाग्देवी की पूजा-अर्चना हुई। चार दिवसीय बसंत पंचमी समारोह के तहत यज्ञ किया जा रहा था। मंत्रोच्चार के बीच वेदी में आहुतियां दी जा रही थीं। भोजशाला सहित पूरे परिसर को भगवा पताकाओं से सजाया गया था।

भोजशाला सहित 200 मीटर का एरिया पुलिस छावनी में तब्दील है। 70 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 9 राजपत्रित अधिकारी, 19 थाना प्रभारी सहित 700 से अधिक जवान सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे थे। शहर के 34 चिह्नित

स्थानों फिक्स पॉइंट बनाए गए थे। 10 बाइकों पर पुलिस टीम नगर के भीतरी हिस्से जबकि चार मोबाइल पुलिस वाहन बाहरी हिस्से में लगातार गश्त कर रहे थे।

शोभायात्रा में रथ पर सवार वाग्देवी के दर्शन- महाराजा भोज स्मृति वसंतोत्सव आयोजन समिति के महामंत्री सुमित चौधरी ने बताया कि सरस्वती पूजन के साथ सुबह 7 बजे से यज्ञ शुरू हुआ। उदाजीराव चौराहा घोड़ा चौपाटी से शोभायात्रा निकाली गई। इसमें विशेष रथ पर विराजमान मां वाग्देवी के तैलचित्र के दर्शन हुए। वाग्देवी की शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा मार्ग की 20 हाइराइज बिल्डिंगस पर पुलिस जवान तैनात रहे। शाम 5:50 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति और आरती हुई।

उत्तम स्वामी बोले-अधर्मियों के कारण कुंभ में भगदड़- धर में आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी ने कहा कि भोजशाला में मां सरस्वती तब ही आ सकती हैं, जब हम लोगों के एक हाथ में शास्त्र और दूसरे हाथ में शस्त्र हो। अगर 25 हजार लोग भोजशाला में आकर बैठ जाएं तो कोई माई का लाल यहां नमाज नहीं पढ़ सकता। उन्होंने कहा कि भोजशाला का मुद्दा प्रयागराज महाकुंभ में संतों के बीच रखा जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में कुछ अधर्मियों के कारण भगदड़ मची थी। कुछ लोगो ने षड्यंत्र किया, अफवाह फैलाने, लोगों को भयभीत करने और डराने का काम किया, इसलिए भगदड़ मची।

बैरिकेड्स से गुजरकर दर्शन कर रहे थे श्रद्धालु

चौधरी ने बताया कि भोजशाला के मुख्य द्वार से लेकर परिक्रमा मार्ग तक बैरिकेड्स लगाए गए हैं। इनसे होकर श्रद्धालु मां सरस्वती के दर्शन कर रहे हैं।

उज्जैन के सिंहपुरी में माता को स्याही-पेन का चढ़ावा

उज्जैन के सिंहपुरी स्थित सरस्वती माता मंदिर में स्टूडेंट्स पेन, स्याही और किताब लेकर पहुंचे। मान्यता है कि वसंत पंचमी पर मंदिर में पूजन कर स्याही, पेन चढ़ाने से बुद्धि का विकास होता है। यह विश्व का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां वसंत पंचमी पर स्टूडेंट्स मां सरस्वती की मूर्ति पर स्याही अर्पित करते हैं। इसके साथ ही पेन और पीले फूल भी चढ़ाए जाते हैं।

दमोह में जागेश्वरनाथ का जलाभिषेक करने उमड़े श्रद्धालु

दमोह के बांदकपुर में जागेश्वरनाथ धाम में भी सुबह से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भीड़ की वजह से बीच-बीच में चैनल गेट खोलकर लोगों को दर्शन के लिए अंदर छोड़ा जा रहा है। धक्का-मुक्की में कुछ महिलाओं को चोट आई थी। 5 महिलाओं को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिनमें से दो को घर भेज दिया गया, तीन महिलाओं को ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

चित्रकूट की मंदाकिनी में डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट में बसंत पंचमी पर सोमवार को मंदाकिनी नदी में श्रद्धालुओं का अमृत स्नान जारी था। दोपहर तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। रामघाट, तुलसी घाट, राघव प्रयाग घाट और भरतघाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

भोपाल में भीख देने-लेने वालों पर एफआईआर होगी

कलेक्टर बोले- आदेश जारी कर रहे, रैन बसेरा में बनेगा भिक्षु गृह

भोपाल (नप्र)। भोपाल में अब भीख लेना और देना दोनों ही जुर्म होगा। भीख लेने और देने वाले पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। निगरानी के लिए जिला प्रशासन चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद लेगा।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत इस संबंध में आदेश भी जारी कर रहे हैं।

कलेक्टर ने बताया, सोमवार को सभी एसडीएम से कार्रवाई करने को कहा है। भिक्षावृत्ति करने वालों के लिए भिक्षु गृह बनाएंगे। नगर निगम के एक रैन बसेरा में अस्थायी तौर पर भिक्षु गृह बनाने का प्लान है। जहां खाने-पीने और रुकने की व्यवस्था करेंगे।

सोमवार को ही जारी हो सकते हैं आदेश- कलेक्टर सिंह के मुताबिक, भिक्षावृत्ति को लेकर आदेश जारी कर रहे हैं। संभवतः सोमवार ही आदेश जारी हो जाएंगे। इसके बाद एसडीएम और तहसीलदार की टीमें मैदान में उतरकर जांच करेंगी। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि भिक्षावृत्ति करने और उन्हें भीख देने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करेंगे।

भोपाल में दर्ज हो चुकी एफआईआर- इससे पहले 26 जनवरी की रात में एमपी नगर थाने में एक भिखारी के खिलाफ मामला दर्ज

हो चुका है। पुलिस ने यह कार्रवाई एक नागरिक की शिकायत पर की थी। भीख न मिलने पर भिखारी ने अभद्रता की थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालांकि, जमानती धारा होने के कारण भिखारी को नोटिस देकर छोड़ दिया गया।

यह घटना 25 जनवरी की थी। शिकायत के मुताबिक, योगेंद्र भलावी बोर्ड ऑफिस की तरफ आ रहे थे। बोर्ड ऑफिस स्थित सिग्नल पर एक युवक उनसे भीख मांगने लगा। योगेंद्र ने उससे कह दिया, 'इतने हट्टे-कट्टे होने पर भीख मांगते हो।' यह सुनकर भिखारी उनसे अभद्रता करने लगा था। इस पर यह कार्रवाई की गई थी।

भोपाल में ढाई सौ से ज्यादा भिखारी- भोपाल में ढाई सौ से अधिक भिखारी है। राजधानी के चौराहों पर महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान जैसे राज्यों से आए लोगों के समूह शिफ्ट पर भीख मांग रहे हैं। सुबह 9 बजे से शाम 6 की शिफ्ट में ये चौराहों पर ड्यूटी बजाते हैं। ये भिखारी खाना नहीं लेते, इन्हें सिर्फ कैश चाहिए। एमपी नगर, रोशनपुरा चौराहा, न्यू मार्केट, कोलार, बिट्ठन मार्केट, बुधवार, ज्योति टॉकीज चौराहा, भोपाल टॉकीज, पीर गेट, नेहरू नगर, लेक व्यू, बोट क्लब, व्यापमं चौराहा, शिवाजी नगर, शाहपुरा, इकबाल मैदान जैसे इलाकों में इनकी संख्या ज्यादा है।

सवा महीने पहले बना था प्रस्ताव- बता दें कि करीब सवा महीने पहले महिला बाल विकास विभाग और सामाजिक न्याय विभाग ने भिखारी मुक्त शहर के लिए प्रस्ताव बनाया था। इसमें भीख देने वालों पर स्पॉट फाइन करना था। जिला प्रशासन ने इसे अमलीजाना पहनाने के लिए प्लानिंग भी कर ली। लेकिन, अमल नहीं हो सका।

15 साल बाद भोपाल में स्टेट लेवल बॉडी बिल्डिंग कॉम्पिटिशन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रविंद्र भवन में रविवार को गोल्डन क्लासिक सीजन-2 बॉडी बिल्डिंग कॉम्पिटिशन हुई। इसमें बॉडी बिल्डिंग और मेन्स फिजिक के मुकाबले हुए। भोपाल में लगभग 15 साल बाद स्टेट लेवल बॉडी बिल्डिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन हुआ। भोपाल जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन और आयोजन समिति के सदस्य मलिक इकरार ने बताया कि इससे पहले जिला स्तर पर गोल्डन क्लासिक का सीजन-1 भी हुआ था। कॉम्पिटिशन में प्रदेश भर के 52 जिलों से 240 खिलाड़ी आए। यह प्रतियोगिता लगभग 55 किलो से 100 प्लस वेट केटेगरी में हुई। वहीं, मैन फिजिक कॉम्पिटिशन दो कैटेगरी 165 सेंटीमीटर से कम और इससे ज्यादा हाइट वालों की हुई। जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के माध्यम से आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों के आवास और भोजन की व्यवस्था की थी। कॉम्पिटिशन की इनामी राशि 4 लाख रुपए थी। कॉम्पिटिशन में चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब भोपाल के मोहम्मद अल्ताफ ने जीता। वहीं, ग्वालियर के राजीव साहू को बेस्ट इंफ्लव बॉडी, भोपाल के मोहम्मद अख्तर को बेस्ट पोजर और हरदा के मिर्जा जमाल को बेस्ट मस्कुलर बॉडी का खिताब मिला।

संसद के बजट सेशन में महाकुंभ भगदड़ पर विपक्ष का वॉकआउट

अगर आंकड़े सही नहीं हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि सच्चाई क्या है: खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सेशन के तीसरे दिन सोमवार को महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों को लेकर विपक्ष ने दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया। कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी दलों ने सरकार पर मौत का आंकड़ा छिपाने का आरोप

- भाजपा सांसद रविशंकर बोले- साजिश की बू आ रही

लगाया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मौतों की सही जानकारी देने की मांग की। वहीं भाजपा सांसद रविशंकर बोले- साजिश की बू आ रही है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गए हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उन्हें बयान (हजारों लोगों की

मौत) वापस लेने को कहा।

जवाब में खड़गे ने कहा कि, यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि सच्चाई क्या है। मैंने किसी को दोषी ठहराने के लिए हजारों नहीं कहा। लेकिन कितने लोग मारे गए, यह जानकारी तो दीजिए। अगर मैं गलत हूं तो मैं माफी मांगूंगा। लोकसभा में भी हंगामा कर रहे सांसद वेल तक पहुंच गए। वे स्पीकर ओम बिरला से कुंभ भगदड़ पर चर्चा की मांग कर रहे थे। बिरला ने सांसदों से कहा- आपको जनता ने यहां सवाल पूछने भेजा है कि मेज तोड़ने, अगर मेज तोड़ने भेजा है तो और जोर से मारिए।

पहले दिन से ही राज्य सरकार आंकड़े दे रही है कि कितने लोगों ने पवित्र डुबकी लगाई-सपा प्रमुख अखिलेश यादव - सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- पहले दिन से ही राज्य सरकार आंकड़े दे रही है कि कितने लोगों ने पवित्र डुबकी लगाई। जो लोग पवित्र डुबकी लगाने वालों की संख्या बता सकते हैं, वे यह नहीं बता पा रहे हैं कि कितने लोगों की जान गई। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

व्यवस्थाएं आम आदमी के लिए नहीं बल्कि वीआईपी के लिए थई- जया बच्चन- सपा सांसद जया बच्चन ने कहा- इस देश में अभी सबसे बड़ा मुद्दा है महाकुंभ भगदड़ की घटना है। उन्हें मृतकों की सही संख्या बतानी चाहिए ।

विधानसभा में कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने दी गाली

- अति के बाद मंत्री ने माफी मांगी, डोटासरा बोले- हम गाली खाने विधानसभा नहीं आते

जयपुर (एजेंसी)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पहले ही सवाल में हुई नोकझोंक के दौरान कानून और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने सदन में गाली दे दी। जोगाराम पटेल ने नेता प्रतिपक्ष के बोलने पर उन्हें इंगित करके गाली दी। प्रश्नकाल में हुई इस घटना पर उस वक्त किसी का ध्यान नहीं गया। लंच के बाद सदन की कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। बाद में जोगाराम पटेल को माफी मांगनी पड़ी, तब जाकर मामला शांत हुआ।

दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार खत्म, अंतिम दिन राजनीतिक दलों ने दिखाई अपनी ताकत

- अंतिम दिन अरविंद केजरीवाल शाह ने किया धुआंधार प्रचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सोमवार को चुनाव प्रचार थम गया। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी राजनीतिक दलों ने प्रचार में अपनी ताकत झोंक दी। बीजेपी की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में ज ंगपुरा, बिजवासन और द्वारका विधानसभा क्षेत्रों में वोट मांगे। वहीं, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद के जरीवाल

कालकाजी और छतरपुर विधानसभा क्षेत्रों में आप प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार चौथी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रहे हैं।

केजरीवाल को प्रवेश वर्मा की चुनौती- केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा सीट से चौथी बार चुनावी मैदान में हैं। केजरीवाल के सामने बीजेपी के प्रवेश वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। वहीं, कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री आतिशी लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रही हैं।

ग्रैमी पुरस्कार

भारतीय-अमेरिकी संगीतकार चंद्रिका टंडन ने जीता ग्रैमी, एल्बम 'त्रिवेणी' के लिए मिला पुरस्कार

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी गायिका और उद्यमी चंद्रिका टंडन ने एल्बम त्रिवेणी के लिए बेस्ट न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम श्रेणी में ग्रैमी पुरस्कार जीता है। रिकॉर्डिंग अकादमी द्वारा आयोजित सबसे बड़े संगीत पुरस्कार समारोह का 67वां संस्करण रविवार को लॉस एंजिल्स के क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना में आयोजित किया गया।

चंद्रिका ने जाहिर की खुशी- चंद्रिका एक वैश्विक बिजनेस लीडर भी हैं और पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंद्रा नूयी की बड़ी बहन हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों दक्षिण अफ्रीकी बांसुरी वादक वाउटर केलरमैन और जापानी सेलो वादक इरु मात्सुमोतो के साथ यह पुरस्कार जीता। चेन्नई में पले-बढ़े इस संगीतकार ने ग्रैमी पुरस्कार जीतने के बाद अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने रिकॉर्डिंग अकादमी को दिए गए साक्षात्कार में कहा कि यह अद्भुत लगता है।

चंद्रिका टंडन का दूसरा ग्रैमी नामांकन

पुरस्कार स्वीकार करते समय अपनी खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि संगीत प्रेम है, संगीत प्रकाश है, और संगीत हंसी है और आइए हम सभी प्रेम, प्रकाश और हंसी से घिरे रहें।

इस श्रेणी में इन्हें किया गया था नामांकित

सर्वश्रेष्ठ न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम श्रेणी में अन्य नामांकितों में रिकी केज द्वारा ब्रेक ऑफ डॉन, रयूची सकामोटो द्वारा ओपस, अनुष्का शंकर द्वारा चैप्टर 2: हाउ डार्क इट इज बिफोर डॉन और राधिका वेकारिया द्वारा वॉरियर्स ऑफ लाइट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी में हमारे पास बहुत ही शानदार नामांकित व्यक्ति थे। यह तथ्य कि हमने यह पुरस्कार जीता है, हमारे लिए वास्तव में एक विशेष क्षण है। हमारे साथ कई शानदार संगीतकार भी नामांकित हुए

भोपाल की मोतीनगर बस्ती आज से हटेगी, विरोध

दुल्हन को लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे रहवासी; बोले- क्या बेटी की शादी टाल दें?

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सुभाषनगर ब्रिज की थर्ड लेन बनाने के लिए मोतीनगर बस्ती को हटाया जाएगा। 4 फरवरी से बस्ती हटने लगेगी। इसके लिए बेरिकेडिंग भी कर दी गई है। इस बस्ती को हटाने का विरोध भी लोग कर रहे हैं। मंगलवार को कई लोग दुल्हन राहेला को लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के पास पहुंचे और मोहलत देने की मांग की। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कहा कि, क्या बेटी की शादी को आगे टाल दें? शुक्ला ने कहा, जिला प्रशासन की कार्रवाई के पहले मोतीनगर से कई मानवीय पहलू सामने आ रहे हैं। यदि प्रशासन मौजूद सैकड़ों परिवारों को मोहलत नहीं देता है तो उनके सामने आर्थिक संकट के अलावा नैतिक संकट भी खड़े हो रहे हैं। किसी के घर में बेटी के हाथ पीले होने हैं तो कहीं बेटे की शादी की तैयारी हो रही है। इस स्थिति में भी कार्रवाई होती है तो कई शादी भी टालनी होगी।

दो महीने बाद कार्रवाई करने की मांग

रहवासियों ने कलेक्टर सिंह से मोतीनगर बस्ती को तोड़ने की तय समय सीमा को 2 माह और बढ़ाने का अनुरोध किया। कांग्रेस नेता शुक्ला ने कहा कि, मोतीनगर में लगभग 550 ऐसे बच्चे हैं। जिनकी बोर्ड की परीक्षाएं सिर पर हैं। ऐसे में उन्हें बस्ती से हटाने पर यह सब परीक्षाओं से वंचित हो जाएंगे। इसीलिए बोर्ड की परीक्षाओं तक इस विस्थापन को रोका जाए। उन्होंने 550 बच्चों की लिस्ट भी कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम को सौंपी। इस दौरान तारिक अली, मो. आमिर, मुजाहिद सिद्दीकी, फैजान खान, अलीमउद्दीन बिल्ले, शानू खान, जहीर कुरैशी, जाकिर कुरैशी, नन्हें खान, खालिद कुरैशी आदि मौजूद थे।

भारत के विकास में महिलाओं का योगदान अहम : सुश्री भूरिया

देश-विदेश की 26 महिला विभूतियाँ हुईं ऊर्जस्विता सम्मान से अलंकृत

भोपाल (नप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के नये आयाम छू रहा है। इसमें महिलाओं का योगदान अहम है। आत्मनिर्भर भारत बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिये महिला सशक्तिकरण, अनुसंधान और उद्यमिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वे न केवल समाज को सशक्त बनाती हैं बल्कि देश को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। मंत्री सुश्री भूरिया भोपाल में आयोजित अनुनय, एजुकेशन एण्ड वेलफेर सोसायटी की 14वीं वर्षगांठ पर ऊर्जस्विता सम्मान-2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास पर केन्द्रित अनेक योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। महिला शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने विकास में सभी की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिये प्रशासन के साथ हर नागरिक को अपनी भूमिका निभानी होगी।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में उन महिलाओं को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में इतने महत्वपूर्ण कार्य किये हैं, जिसकी गूंज देश-विदेश तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि संस्था पिछले 14 वर्ष से गरीब और वंचित तबके के बच्चों की शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिये कार्य कर रही है। संस्था ने ऐसे बच्चों को भी शामिल किया है, जो मजदूरी, भीख मांगना या कचरा बीनने का काम करते थे। मंत्री सुश्री भूरिया ने सभी सम्मानित महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे विभिन्न क्षेत्रों में महती भूमिका निभाकर समाज और देश को आगे ले जाने का काम कर रही हैं, जो वाकई काबिल-ए-तारीफ है।

इन महिला विभूतियों का हुआ सम्मान

डॉ. अनामिका जैन- उच्च शिक्षा (इंदौर), डॉ. पल्लवी तिवारी - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (यूएस), सुश्री संप्रिया पूजा- लोकनृत्य एवं गायन (छत्तीसगढ़), डॉ. वंदना अग्रवाल -स्कूल शिक्षा (छत्तीसगढ़), सुश्री ओरियल प्रिज़मैन - संरक्षण (यूके), डॉ. आरती सिन्हा- साउंड हीलर एवं वेलनेस कोच, सुश्री चंद्रकला परस्ते- जनजातीय संस्कृति (डिंडोरी), सुश्री प्रभाकर खलको- प्रशासन (छत्तीसगढ़), सुश्री मेघा मुक्तिबोध- शिक्षा, सुश्री मनीषा आनंद- मिसेज़ इंडिया, सुश्री शोमिता भट्टाचार्य- पर्यावरण (इंदौर), सुश्री रोली शर्मा-विपणन पेशेवर (नई दिल्ली), सुश्री आशा पठानिया- सत्कार उद्योग (हरियाणा), सुश्री दिव्या अत्रि- समाज सेवा, सुश्री भूमिका कलम- ज्योतिष (इंदौर), सुश्री अंजु तड़ियाल - कौशल विकास, सुश्री दक्षा वैदकर- प्रिंट मीडिया, सुश्री हुमेरा ख़ान - सामाजिक उद्यमी, सुश्री श्रुति सिंह - राजनीति, सुश्री विशाखा कवठेकर- आर्किटेक्ट, सुश्री अर्पणा चेंडके- उद्यमी (इंदौर), सुश्री दीक्षा पाटकर भदौरिया - नवाचार, सुश्री आराधना मालवी - आदिम कल्याण एवं खेलकूद (बैतूल), सुश्री मीरा - इंफ्लुएंसर (चीन) तथा सुश्री पूर्वा त्रिवेदी- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। बालाघाट में सामुदायिक विकास के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए सुश्री मार्गी वॉट्स कार्टर को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम में 3 प्रतिशत ब्याज की छूट

भोपाल (नप्र)। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य देश में कृषि अवसंरचना का विकास एवं विस्तार करना है। इस योजना के माध्यम से कृषक, कृषि अवसंरचना निर्माण के लिये बैंक से प्राप्त राशि रुपये 2 करोड़ तक के ऋण पर 3 प्रतिशत ब्याज छूट का लाभ सात वर्षों के लिए से सकते है।

इस योजना के अंतर्गत वेयरहाउस, साइलोस, कस्टम हायरिंग सेंटर, कोल्ड स्टोरेज, सॉर्टिंग व ग्रेडिंग इकाई, प्राथमिक प्र-संस्करण इकाई, एयरोफोनिक फार्मिंग, हायड्रोफोनिक फार्मिंग, वर्टिकल कार्मिंग, मशरूम फार्मिंग, स्मार्ट प्रिसीजन फार्मिंग के लिये अवसंरचना निर्माण की जा सकती हैं।

योजनांतर्गत मध्यप्रदेश को वर्ष 2025-26 तक 7440 करोड़ रूपये का लक्ष्य दिया गया है। जिसके विरुद्ध 7,804 करोड़ रूपये के कुल 10.860 प्रकरण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो कि देश के सभी राज्यों में सर्वाधिक है। इसके अतिरिक्त कुल 10.047 प्रकरणों में 5978 करोड़ रूपये का डिसबर्समेंट किया जा चुका है जो अन्य राज्यों की अपेक्षा कहीं अधिक है।

केन्द्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश को 500 करोड़ रूपये का लक्ष्य दिया गया था जिसके विरुद्ध 1240 करोड़ रूपये के कुल 2152 प्रकरण स्वीकृत किये जा चुके हैं जो कि आवंटित लक्ष्य का 248 प्रतिशत है। साथ ही कुल 1745 प्रकरणों में 721 करोड़ रूपये का डिसबर्समेंट किया जा चुका है।

केन्द्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का देश में सर्वोत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश को वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 में 'अवार्ड' से सम्मानित भी किया गया है।

महाकुंभ यात्रियों के लिए रीवा-प्रयागराज मार्ग में की गयी समुचित व्यवस्थायें

भोपाल (नप्र)। प्रयागराज में महाकुंभ मेला लगातार जारी है। महाकुंभ में तीन फरवरी बसंत पंचमी को विशेष पर्व स्नान को देखते हुए रीवा से होकर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिये जिला प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई। इसी तरह माघ पूर्णिमा 12 फरवरी एवं महाशिवरात्रि 26 फरवरी को भी विशेष पर्व स्नान होंगे। इन दिनों भी लगाये गये शिविरों में विशेष व्यवस्था रहेगी।

रीवा कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर रीवा-प्रयागराज मार्ग में 4 स्थानों पर अधिकारियों के दल तैनात करके तीर्थयात्रियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायी जा रही हैं। तीर्थ यात्रियों के अस्थायी रूप से ठहरने, भोजन, पानी, जलपान, शौचालय, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियाँ रखी गयी हैं। तीर्थ यात्रियों के वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था भी की गयी है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी यात्री को रीवा जिले से गुजरते हुए किसी भी तरह की परेशानी न हो।

बेला बायपास, श्रीयुत महाविद्यालय गंगेव तथा चाकघाट में बनाये गये रैन बसेरों में तीर्थ यात्रियों के रूकने तथा उनके भोजन, पानी आदि वितरण की व्यवस्थाएँ अधिकारियों के दल द्वारा की जा रही है। तीर्थ यात्रियों को आवश्यक दवाओं का भी वितरण इन स्थानों पर किया जा रहा है। इसके साथ ही जोगिनहाई टोल प्लाजा, सोहागी टोल नाका तथा चाकघाट बॉर्डर में वाहनों के निर्वाध आवागमन की व्यवस्था अधिकारियों के निर्देशन में की जा रही है। रीवा-प्रयागराज मार्ग में रीवा जिले में कहीं भी वाहनों के जाम की स्थिति निर्मित नहीं हुई संपूर्ण मार्ग में तीर्थ यात्री बिना किसी परेशानी के रीवा जिले से गुजर रहे हैं। कलेक्ट्रेट में स्थापित कंट्रोल रूम द्वारा भी लगातार निगरानी की जा रही है।

शादी के 30 साल बाद दहेज का केस पति ने जहर खाकर दे दी जान

भोपाल (नप्र)। शादी के 30 साल बाद एक पत्नी अपने पति के खिलाफ थाने पहुंची तो दुखी पति ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। अवधपुरी में रहने वाली पत्नी ने 26 जनवरी को महिला थाने में पति के विरूद्ध दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करवाया था।

चार दिन तक सदमे में रहने के बाद पति ने शुक्रवार को जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने के बाद उसका बेटा अस्पताल लेकर पहुंचा। कुछ देर इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। अवधपुरी पुलिस ने मर्ग कायम कर खुदकुशी के कारणों की जांच शुरू की है।

दंपती की बेटी की शादी हो चुकी है- अवधपुरी थाना प्रभारी के अनुसार 52 वर्षीय राजीव गिरि मूलतः रायसेन जिले के बरेली के रहने वाले थे। वर्तमान में वह सौम्य स्टेट कॉलोनी में रहते थे। वह पूर्व में सिविल ठेकेदार थे, फिलहाल खेती करते थे। करीब 30 साल पहले राजीव की जानकी गिरि से शादी हुई थी।

उनके दो बच्चे हैं, एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा अविवाहित है और प्राइवेट नौकरी करता है। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था, जिसके बाद जानकी ने दहेज प्रताड़ना की शिकायत पुलिस से की थी, जिस पर प्रकरण भी दर्ज कर लिया गया था।

कैंसर की समय पर पहचान समुचित उपचार के लिये अहम : उप मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। विश्व कैंसर दिवस (4 फरवरी) के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कैंसर जैसे गंभीर रोग की समय पर पहचान समुचित उपचार के लिये अहम है। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ भारत विज़न से प्रेरणा लेते हुए निरंतर प्रयासरत है। हर नागरिक को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ और किफायती रूप से मिल सकें। इसी दिशा में राज्य और केंद्र सरकार ने कैंसर उपचार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में प्रस्तुत केंद्रीय बजट में कैंसर देखभाल के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। कैंसर की दवाओं को सुलभ और सस्ती दर में उपलब्ध कराने के प्रावधान हैं। इसके अलावा, हर ज़िले में कैंसर देखभाल केंद्र स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया गया है, जिससे कैंसर डायग्नोसिस और उपचार की सुविधा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों को मिल सकेगी। राज्य सरकार भी इन केंद्रों को स्थापित करने के लिए प्राथमिकता दे रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल डिस्पेंसरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पतालों में सर्वाइकल कैंसर की वीआईए जांच निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। इस जांच को प्रत्येक पांच वर्ष में कम से कम एक बार करवाना आवश्यक है। जिला अस्पतालों में बायोप्सी सैंपलिंग और मेडिसिन कीमोथेरेपी की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण सुनिश्चित करते हुए कैंसर के इलाज को मेडिकल कॉलेजों और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जैसी संस्थाओं में सुलभ बनाया गया है। पहले जहां कैंसर का उपचार केवल निजी अस्पतालों में ही उपलब्ध था, अब राज्य के विभिन्न जिलों में, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उन्नत कैंसर उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर कैंसर सहित असंचारी रोगों की पहचान के लिए सीबैक फॉर्म भरवाए गए हैं। जिसके आधार पर एनसीडी पोर्टल के माध्यम से मरीजों का उपचार एवं फॉलो-अप सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज, हाईपरटेंशन और कैंसर जैसे असंचारी रोगों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए इनकी समय पर पहचान और समुचित उपचार आवश्यक है।

मंत्रालय में हुआ राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन

भोपाल (नप्र)। फरवरी माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन मे पशुपालन एवं डेयरी विभाग, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन सिहं पटेल, मुख्य सचिव, श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री अजीत केसरी, श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व पुस्तक मेले में शिरकत करेंगे विनय उपाध्याय

भोपाल। साहित्य अकादमी म.प्र. शासन द्वारा हाल ही बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' पुरस्कार हेतु चयनित कला समीक्षक, सम्पादक तथा उद्घोषक विनय उपाध्याय की महत्वपूर्ण लेखकीय उपस्थिति नई दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में होने जा रही है।

नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा, भारत सरकार द्वारा आयोजित किताबों के इस कुम्भ में विनय द्वारा रचित और संपादित एक दर्जन से भी अधिक किताबें उपलब्ध रहेंगी। विनय की नई पुस्तक 'कुछ दस्तकें, कुछ दस्तख़त' के लोकार्पण के साथ ही पुस्तक मेले के हॉल नंबर-दो, स्टॉल नंबर- एन-7 में मेले में 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम के दौरान उनकी किताबों पर संवाद भी होगा। इस मौके पर दिवंगत प्रख्यात लोक गायिका पद्मभूषण शारदा सिन्हा तथा प्रसिद्ध अभिनेता-रंगकर्मी आलोक चटर्जी के लम्बे साक्षात्कारों पर केन्द्रित पुस्तिकाएँ भी जारी की जाएंगी। विनय उपाध्याय टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक और सांस्कृतिक पत्रिका 'रंग संवाद' के संपादक हैं। उन्हें राष्ट्रीय और प्रादेशिक सम्मानों से विभूषित किया गया है।

चिंता बढ़ाता है आम बजट का दूसरा पक्ष: ठाकुर

भोपाल। वर्ष 2025 के आम बजट पर प्रतिक्रिया में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संरक्षक रघु ठाकुर ने कहा कि इस बजट को मध्य वर्ग के लिए स्वर्ग बताया जा रहा है। निसंदेह इस बजट में मध्य वर्ग के लिए अनेकों राहत दी गई है जिनमें मुख्यतः 12 लाख रुपए तक की आय को आयकर से मुक्त करना,किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाकर 5 लाख करने , आयुष्मान के तहत इलाज के दायरे को बढ़ाने जैसी अनेक राहतें प्रदान की गई हैं ।यह सुविधायें तार्किक भी हैं और न्याय संगत भी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 फरवरी 2025 को दिल्ली की एक रैली में भाषण देते हुए कहा कि नेहरू सरकार में 12 लाख की आय पर 3 लाख और इंदिरा गांधी की सरकार में 10 लाख , मनमोहन सिंह की सरकार में ढाई लाख रुपये टैक्स देना होता था ।अब टैक्स की सीमा में छूट 12 लाख कर देने से एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार मध्य वर्ग के 3लाख 30हजार करोड रुपए बचेंगे और जो बाजार में आएंगे। इससे 10त्न खपत बढ़ेगी और इससे व्यापारियों को भी भारी फायदा होगा । केंद्र को भी जीएसटी के रूप में 40 हजार करोड़ रुपए बढ़ कर मिलेंगे तथा केंद्रीय करों में राज्यों की भागीदारी 8 हजार करोड़ रुपए ज्यादा बढ़ कर 28 हजार करोड रुपए ज्यादा मिलेंगे। यह बजट देश के 55 करोड़ मध्य वर्ग के लिए सुखद है परंतु अगर हम उसे राष्ट्रीय दृष्टिकोण से सोचे तो यह बहुत चिंताजनक और एक कठिन भविष्य का संकेत देता है।

इस बजट में 10 लाख करोड रुपए के सार्वजनिक क्षेत्र के यानी सरकारी क्षेत्र की संपत्तियों को बेचने का निर्णय हुआ है ।औसतन 2 लाख करोड रुपए प्रति वर्ष राष्ट्रीय संपत्ति को खुले बाजार में निजी हाथों में बेचा जाएगा । यह जो सुविधा मध्य वर्ग को दी है इन्हें दो लाख करोड रुपए की राष्ट्रीय संपत्ति को बेचकर पूरा किया जाएगा। यानी सरकार के बजट से तो मात्र 1 लाख 30 हजार करोड रुपए ही जाना है । शेष लगभग 66 से 70 प्रतिशत मध्य वर्ग के रियायतों की पूर्ति राष्ट्रीय संपत्ति को बेचकर की जाएगी। यह तो ऐसा हुआ जैसे कोई व्यक्ति अपने घर को बेचकर समाज सेवा करें।

बजट में इस मध्य वर्ग के सुविधाओं के कोलाहल में यह बात नज़र अंदाज़ हो गई कि बजट का 20 प्रतिशत तो केवल भारत सरकार के द्वारा लीए गए कर्ज के ब्याज में चुकाना है । यह राशि कितनी बड़ी होगी जिसकी कल्पना प्रतिशत में नहीं की जा सकती । यह कर्ज और ब्याज प्रतिवर्ष बढ़ता ही जा रहा है। इस कर्ज के ब्याज चुकाने के लिए 2023-24 में कुल बजट का 14 प्रतिशत देना था,अब यह बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया है। यानी हम लोग एक राष्ट्र के रूप में निरंतर कर्जदार बनते जा रहे हैं।

क्या एक राष्ट्र के रूप में यह हमें चिंता का विषय नहीं होना चाहिए ?

सरकारें आएंगीं जाएंगीं और प्रधानमंत्री -वित्त मंत्री भी आएंगे जाएंगे, परंतु देश का भविष्य भी सोचना होगा।

अगर मध्य वर्ग के व्यक्ति को 12 लाख की आय में ढाई लाख रुपए का टैक्स चुकाना हो तो वह खुश होगा या दुखी होगा? यही कल्पना हमें राष्ट्रीय होने के नाते भी करना चाहिए ।

भारत माता को और अधिक कर्जदार बनाकर सुविधा प्राप्त करें तो क्या यह हमारी राष्ट्रीयता होगी? भारत माता के आभूषणों को बेचकर कुछ सुविधाएं हासिल करना क्या हमारी राष्ट्रीयता होगी? कल्पना करिए कि अगर कोई अपनी मां के जेवर बेचकर सुखोपभोग करे तो उसे हम क्या मां का वफादार कहेंगे? बीमा के क्षेत्र में 73 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत विदेशी पूंजी निवेश की अनुमति प्रदान कर दी गई है। यानी कुल बीमा कंपनियों का आधा काम या व्यापार विदेशी पूंजी के मालिक करेंगे। और हमे यह नहीं भूलना चाहिए कि यह विदेशी पूंजी के मालिक कोई गांव - गरीब का बीमा नहीं करेंगे बल्कि बड़ी-बड़ी कंपनियों विदेशी कंपनियों और आमतौर पर उच्च वर्ग और उच्च मध्य वर्ग का ही बीमा करेंगे। इससे देश को क्या लाभ होगा ?

असम से आए युवक की संदिग्ध मौत

13 साल की बेटी को डांस ऑडिशन के लिए लाए थे, 30 जनवरी की शाम से गायब थे

भोपाल (नप्र)। असम से आए व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह बेटी का आईडीपी लिटिल चैंप में ऑडिशन कराने भोपाल आया था। 31 जनवरी को एमपी नगर के एक होटल से निकला था। 1 फरवरी को घायल हालत में उसे जेपी अस्पताल पहुंचाया गया था।

जहां से 2 जनवरी को उसे हमीदिया हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया। हमीदिया में इलाज के दौरान बीती देर रात उसकी मौत हो गई। सोमवार की सुबह शिनाख्ती के बाद उसका पोस्टमॉर्टम कराया गया। बॉडी परिजनों के हवाले कर दी गई है। कमला नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्रधान आरक्षक अमित ने बताया कि बाबू इंजिज़ी (42) असम का रहने वाला था। वहीं खेती-किसानी का काम करता था। उसकी बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली क्लांती इंजिज़ी (13) डांसर है। असम में ही अमित दास की डांस क्लास में प्रेक्टिस करती है। भोपाल में आईडीपी लिटिल चैंप नाम के शो के लिए ऑडिशन दिलाने बाबू असम से बेटी और उसके डांस टीचर सहित ग्रुप के साथ आया था।

31 जनवरी को वह लापता हुआ था। वैशाली नगर में लोगों ने खून से लथपथ हालत में उसे देखा और जेपी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से उसे हमीदिया रैफर किया गया। इलाज के दौरान हमीदिया हॉस्पिटल में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात उसकी मौत हो गई। शिनाख्ती के बाद सोमवार दोपहर को पोस्टमॉर्टम कराया गया। पीएम के बाद शव असम से आए मृतक के परिचितों को सौंप दिया गया है।

बेटी के डांस टीचर ने क्या बताया- मृतक की बेटी के डांस टीचर अमित दास ने बताया कि हम 30 जनवरी को असम से भोपाल आए। यहां एमपी नगर में स्थित एक होटल में ठहरे थे। बाबू की बेटी सहित पूरा ग्रुप साथ था। बाबू शराब पीने के आदी थे। यहां आने के बाद उन्होंने अपनी अधिकांश रकम शराब पीने और घूमने-फिरने में खत्म कर दी। सोमवार को बेटी का ऑडिशन होना था। तमाम खर्च सिर पर थे। लिहाजा बाबू ने 31 जनवरी की शाम को बताया कि भोपाल में उनका एक परिचित रहता है। जिससे वह पैसा उधार लेने जा रहे हैं। वह उस समय भी शराब के नशे में थे। हमारे समझाने के बाद भी नहीं रुके। इसके बाद दोबारा नहीं लौटे।

काफी तलाशने पर भी उनकी कोई जानकारी नहीं मिली तो एमपी नगर थाने में मामले की सूचना दी और उन्हें तलाशते रहे। उनकी मौत के बाद पुलिस ने हमें बताया कि बाबू जैसे हुलिए के आदमी की हमीदिया अस्पताल में मौत हुई है। तब अस्पताल पहुंचकर शव की पहचान की। सोमवार को पीएम के बाद बॉडी पुलिस ने हमारे सुपुर्द की। उनकी मौत की वजह साफ नहीं बताई गई है। उनके सिर में चोट के निशान दिख रहे हैं, पुलिस ने बताया कि कहीं फिसलकर गिरे हैं। कैसे फिसले, कहां फिसले इस बात की जानकारी नहीं दी है। केस की जांच कर रहे प्रधान आरक्षक अमित ने कहा-फिलहाल सिर्फ इतनी जानकारी मिली कि वैशाली नगर में वह कहीं से फिसलकर गिरे थे।

राज्य आनंद संस्थान और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के बीच हुआ एमओयू

भोपाल (नप्र)। राज्य आनंद संस्थान और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के बीच मैनिट परिसर में मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग (समझौता ज्ञापन) किया गया। एमओयू के तहत दोनों पक्ष तीन वर्षों तक एक-दूसरे के सहयोगी के रूप में कार्य कर विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन करेंगे।

एमओयू का उद्देश्य

1. एक दूसरे के सहयोगी के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रस्तावों के अनुरूप विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य संवर्धन के लिये अध्ययन/कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।

2. दोनों पक्षों के प्राध्यापक/कर्मचारियों/विद्यार्थियों का क्षमतावर्धन कर उनके माध्यम से अपनी-अपनी योजनाओं की पहुँच समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाना।

3. प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को नैतिकता, आत्म-चिंतन एवं सकारात्मक मानसिकता के विकास के लिये प्रशिक्षण एवं यथासंभव आवश्यक सहयोग प्रदान करना।

4. प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को स्वयंसेवी पहल के लिये एक सहयोग मंच प्रदान कर आनंद एवं इससे जुड़े कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।

5. ज्ञान और संसाधन के प्रसार हेतु अन्य दीर्घकालिक मार्ग की खोज तथा सहयोग के बिन्दुओं को तलाशकर साझा रणनीति क्रियान्वयन।

प्रथम पक्ष के दायित्व

1. प्रथम पक्ष की प्रक्रिया के तहत चयनित द्वितीय पक्ष के प्राध्यापकों के लिये प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। साथ ही प्रथम पक्ष संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित करेगा ताकि प्राध्यापकों को स्वतंत्र रूप से सत्र का संचालन करने के लिये प्रशिक्षित किया जा सके।

2. प्रथम पक्ष सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के पाठ्यक्रम निर्माण में द्वितीय पक्ष की सहायता करेगा।

3. प्रथम पक्ष नियमित अंतराल पर पारस्परिक रूप से तय कार्यक्रम के अनुसार द्वितीय पक्ष के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों के लिए आनंद के कार्यक्रमों का आयोजन करेगा।

4. प्रथम पक्ष विद्यार्थियों के लिये सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगा, जो या तो पूरे 7 दिनों तक लगातार आयोजित किये जायेंगे अथवा तीन माह के लिए 10 सत्रों की अवधिवार पाठ्यक्रम बनाया जाएगा।

5. प्रथम पक्ष प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों के विकास, संस्थागत क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवाचार से संबंधित गतिविधियों में द्वितीय पक्ष के ज्ञान सहभागी के रूप में कार्य करेगा एवं तद्नुसार संयुक्त कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और उन्हें संचालित करने के लिये अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

6. प्रथम पक्ष सभी निर्धारित कार्यक्रमों के लिए एक ऑनलाइन पंजीयन लिंक प्रदान करेगा और नामांकित/चिह्नित प्रतिभागियों को दिये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन करेगा।

द्वितीय पक्ष के दायित्व

1. द्वितीय पक्ष आनंद से संबंधित संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालायें और सम्मेलन आयोजित करने में प्रथम पक्ष को यथासंभव सहयोग प्रदान करेगा।

2. प्रथम पक्ष द्वारा तैयार पाठ्य-पुस्तक अध्ययन सामग्री आदि को द्वितीय पक्ष अपनी आवश्यकतानुसार मुद्रित करवायेगा तथा प्रतिभागियों को उपलब्ध कराएगा।

3. द्वितीय पक्ष परस्परिक रूप तय समय सारणी के अनुसार आनंद से जुड़े कार्यक्रमों के लिये प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को नामांकित करेगा।

4. द्वितीय पक्ष आनंदसे जुड़े कार्यक्रमों में नामांकित प्रतिभागियों का नियमित अंतराल पर निरीक्षण करेगा तथा उनकी क्षमता व समझ के आधार पर उन्हें अगले स्तर के कार्यक्रमों के लिये चिह्नित/नामांकित करेगा।

5. द्वितीय पक्ष अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रथम पक्ष द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/आनंद शिविरों/प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित करेगा तथा उन्हें आवश्यक अनुमति प्रदान करेगा।

6. प्रथम पक्ष द्वारा प्रदत्त प्रारूप में कार्यक्रम के पूर्व और पश्चात आवश्यकतानुसार मूल्यांकन/प्रथम रिपोर्ट द्वितीय पक्ष द्वारा तैयार किया जायेगा।

7. द्वितीय पक्ष, प्रथम पक्ष के कार्यक्रमों के संचालन के लिये आवश्यक सुविधाएँ एवं संसाधन उपलब्ध कराएगा।

संपादकीय

बांग्लादेश की मदद के मायने

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यम वर्ग को रिझाने के अलावा एक और मुद्दे ने जानकारों का ध्यान खींचा है। वह है भारत द्वारा पड़ोसी देशों को दी जाने वाली मदद में कटौती के बाद भी बांग्लादेश और मालदीव जैसे देशों की आर्थिक मदद जारी रखना। मालदीव की सहायता तो पिछले साल की तुलना में बढ़ा दी गई है। मालदीव ने तो शुरूआती तीखे तेवर के बाद अब भारत से अपने रिश्ते सुधारने की कोशिशें शुरू कर दी हैं, लेकिन बांग्लादेश अभी भी लगातार टकराव की मुद्रा में है। बावजूद इसके भारत ने सदाशयता और बड़े भाई के भाव से बांग्लादेश की माली सहायता जारी रखी है। यह अपने आप में बड़ी और प्रशंसनीय बात है। इसमें यह संकेत भी छिपे हैं कि बांग्लादेश खुद को भारत से दूर करने की कितनी भी कोशिशें कर ले, भारत उसे अपना पड़ोसी ही मानता रहेगा। विश्व की पांचवीं आर्थिक ताकत भारत अपने 7 पड़ोसियों की (पाकिस्तान को छोड़कर) यथा संभव मदद करता रहता है। इसमे सदाशयता का भाव है। हालांकि भारत ने इस बार के बजट में ,विदेशी सहायता के मद में कटौती की है। पिछले साल 2024-25 के बजट में विदेशी सहायता के लिए संशोधित आवंटन 5806 करोड़ रुपये था। लेकिन इस साल इसे घटाकर 5483 करोड़ रुपये कर दिया गया है। बावजूद इसके भारत ने मालदीव और अफ़ग़ानिस्तान के लिए सहायता बढ़ाई है, जबकि बांग्लादेश से रिश्तों में तल्खियों के बावजूद सहायता राशि में कटौती नहीं की गई है। इनमें भी भारत भूटान की सर्वाधिक मदद करता है। बजट में भूटान के लिए 2150 करोड़ रुपये का प्रावधान है। हालांकि कि यह पिछले साल के 2543 करोड़ रुपए की तुलना में कम है। गौरतलब है कि भारत भूटान को इन्फ्रास्ट्रक्चर, पनबिजली परियोजनाओं और आर्थिक सहयोग से जुड़ी परियोजनाओं के लिए मदद देता है। पिछले साल मालदीव से रिश्तों में तनातनी के बाद दोनों देशों की ओर से संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश शुरू हुई है। लिहाजा बजट में सहायता राशि को बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके पीछे संदेश यही है कि मालदीव चीन की ओर ज्यादा न झुके। भारत का अफगानिस्तान की मदद करना भी चौंकाने वाला है, क्योंकि तालिबान के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्ते नहीं है। इसके बाद भी नई परिस्थितियों में भारत अफगानिस्तान के बीच सम्बन्धों की बर्फ पिघली है। ऐसे में बजट में अफगानिस्तान को भी 100 करोड़ की मदद का प्रावधान किया गया है। एक और अहम निर्णय तमाम तनावों के बाद भी बांग्लादेश की सहायता जारी रखने का है। इस बार के बजट में बांग्लादेश को मिलने वाली सहायता राशि 120 करोड़ रुपये रखी गई है। यह पिछले साल की मदद 157 करोड़ रू. से कम है। यानी भारत यह मानता है कि आज बांग्लादेश के भीतरी हालात जो भी हों, कल को वह भारत के साथ अपने रिश्तों की वास्तविकता और गरज को फिर महसूस करेगा। बजट में गृह युद्ध से ग्रस्त म्यांमार की मदद को पहले की तुलना में घटाकर 350 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वहां आंतरिक संघर्ष में सैनिक जुंटा की हार होती दिख रही है। म्यांमार में भी भारत के हित दांव पर हैं। इसी तरह नेपाल की मदद को 700 करोड़ रू. तथा श्रीलंका को दी जाने वाली सहायता 300 करोड़ रू. को भी यथावत रखा गया है। कुल मिलाकर इसका उद्देश्य यही है कि भारत अपने पड़ोसियों से अच्छे रिश्ते कायम रखे और चीन को वहां पैर न जमाने दे। यह भारत का प्रभाव क्षेत्र है, जो कायम रहना चाहिए।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

यमुना में जहर डालने के आरोप की राजनीति डरावनी

जब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि यमुना से हमको वोट नहीं मिलता यह मैं समझ गया हूं तब उन्हें इसका आभास नहीं रहा होगा कि यमुना का पानी भी दिल्ली विधानसभा चुनाव का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्वयं उन्हीं के अकल्पनीय वक्तव्य से दिल्ली में यमुना का पानी इस समय बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है। उन्हें अपने भयावह वक्तव्य के वर्तमान परिणतियों की भी आशंका नहीं रही होगी। भाजपा द्वारा शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने उनसे नोटिस जारी कर विस्तृत विवरण मांगा और उनके उत्तर से स्वाभाविक ही संतुष्ट होने का कोई कारण नहीं था तो फिर दोबारा नोटिस भेजा गया है। इनमें अनेक प्रश्नों का उत्तर उनके लिए देना कठिन है। चुनाव आयोग ने साफ-साफ कहा है कि गोलमोलल जवाब देने की बजाय सीधे-सीधे उत्तर दें अन्यथा उन्हें पता है कि उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई हो सकती है। इसी तरह हरियाणा में भीउनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। केजरीवाल और उनकी पार्टी चुनाव आयोग भाजपा कांग्रेस को ही कह रही है कि वह अमोनिया वाला पानी पीकर दिखाएं मानो दिल्ली में यमुना पानी की उनकी नहीं, इन सबकी जिम्मेवारी है । निश्चित रूप से उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज हो सकता है। मुकदमे की परिणति जो भी हो उन्होंने जिस तरह की बातें कीं वैसा स्वतंत्र भारत के इतिहास में किसी भी नेता ने नहीं किया। इस आरोप से कि दिल्ली में आने वाले यमुना के पानी में हरियाणा सरकार ने जहर मिला दिया है पूरे देश में सनसनी फैल गई। उन्होंने डिजिटल पेनिट्रेशन और उनके पार्टी ने इसे बायोलॉजिकल वीपन या जैव हथियारों से तुलना करते हुए जल आतंकवाद तक कह दिया।

राजनीति में नेता और पार्टियां एक दूसरे के विरुद्ध आरोप लगाते हैं, नेताओं की आपसी दुश्मनी भी हुई किंतु कभी ऐसा आरोप नहीं लगा कि एक प्रदेश की सरकार दूसरे प्रदेश में चुनाव न जीतने के कारण पानी में जहर मिलाकर वहां के लोगों को मारना चाहती है। बाद में भले आम आदमी पार्टी और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतीशी ने पानी में अमोनिया की अधिकता की बात की, लेकर केजरीवाल के वक्तव्य में अमोनिया का नाम तक नहीं था। अगर वे कहते कि हरियाणा से दिल्ली आ रहे पानी में अमोनिया की मात्रा ज्यादा है और उनसे जानलेवा भयानक बीमारियां दिल्ली के लोगों को हो सकती है तो इसका उत्तर दूसरे तरीके से दिया जा सकता था। दिल्ली जल बोर्ड की ओर से इसका खंडन करते हुए बताया गया कि यमुना में इस मौसम में अमोनिया की मात्रा हमेशा ज्यादा रही है। चूंकि यहां उसके शोध की क्षमता नहीं है इसलिए पानी को दिल्ली आने से रोका जाता है। पहले आप की ओर से कहा गया कि जल बोर्ड ने राज्यपाल के दबाव में इस तरह खंडन किया है। अचानक उनकी रणनीति बदली और आप के नेता और प्रवक्ता जल बोर्ड के खंडन को ही अपने पक्ष में प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करने लगे। तर्क नहीं दिखा सकता। यह कहना गलत नहीं होगा कि अरविंद केजरीवाल जैसे चालाक और क्षण में हावभाव बदलकर हर विषय को अपने प्रति सहानुभूति में बदलने में माहिर केजरीवाल को इस समय लेने के देने पड़ते दिख रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में किसकी जीत या हार होगी यह अलग विषय है। पर क्या इस तरह के जघन्य और घृणित आरोपों की राजनीति होनी चाहिए? क्या कोई भी पार्टी या सरकार इस कारण किसी राज्य की जनता को मारना चाहेगी कि उनका बहुमत उसे वोट नहीं दे रहा?

यह दिया गया कि देखो अरविंद केजरीवाल जी ने गलत तो कुछ कहा नहीं है जल बोर्ड भी वही कह रहा है जबकि जल बोर्ड ने इस समय हरियाणा द्वारा जहर डालने और उसके कारण पानी की कमी के आरोपों का खंडन किया था।

सच है कि केजरीवाल के आरोपों और दिल्ली के यमुना जल में अमोनिया की उपलब्धता की कोई तुलना नहीं है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसकी आलोचना करते हुए आपराधिक मानहानि के मुकदमे के कारण भी दांव उल्टा पड़ा है। वैसे इसे अच्छा ही मनाना चाहिए कि लोगों के बीच यमुना जल की स्वच्छता निर्मलता आदि पर इसके कारण बहस चल रही है और लोग उसमें भाग ले रहे हैं। नायब सिंह सैनी ने पहले चुनौती दी कि मैं यमुना का जल पी कर दिखाऊंगा, केजरीवाल दिल्ली के यमुना जल को पीकर दिखाएं। सैनी ने पिया। आम आदमी पार्टी ने आधा वीडियो निकाल कर बताना शुरू किया कि ये तो मुंह में डालकर फेंक रहे हैं। पूरा वीडियो देखने वाले बता सकते हैं कि पहले पानी को उन्होंने कुल्ला किया और उसके बाद पीकर शरीर पर छिड़का है। कोई भी नेता दिल्ली के यमुना जल को मुंह में भी डालने का साहस इसी दिल्ली की जनता ने लोकसभा चुनाव में सभी सातों सीट भाजपा को दिया है। अगर दिल्ली की जनता को जहर दिया जाएगा तो उसमें बीजेपी के सदस्य, नेता और कार्यकर्ता भी मरेंगे। दिल्ली में हरियाणा के लोग भी भारी संख्या में होंगे। केजरीवाल की शैली ऐसी है कि वह जो बोलेंगे तो कुछ ऐसे लोग हैं जो उनकी बातों पर विश्वास कर लेते हैं। दुखद सच है कि अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को काम करना नहीं आता। जब आपको काम करना नहीं आता तो आप अपने दायित्व से पल्ला झाड़ने के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं। आरोप लगाते हैं कि उपराज्यपाल काम करने नहीं देता, केंद्र काम करने नहीं देता, हमारे पैसे नहीं देते, हमको झूठे मुकदनों में फंसा कर जेल में डालती है आदि -आदि। अभी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग भी अब हमको जेल में डालने वाला है। समूची दिल्ली की सड़कें गड्ढों में बदल चुकी है। लूटियन दिल्ली को छोड़ दें तो शायद ही दिल्ली में कोई सड़क हो जहां आपकी गाड़ी या सवारी सरपट चल सके। इस कारण ट्रैफिक जाम से लेकर गाड़ी के मेंटेनेंस के खर्च पड़ रहा है एवं प्रदूषण वृद्धि में भी इसका योगदान है। पानी की हालत यह है कि बहुत बड़ा वर्ग पानी खरीद कर पी रहा है। झोपड़ियां तक पानी के बड़े-बड़े कैन आ रहे हैं। 10 वर्ष के कार्यकाल में दिल्ली में किसी एक फ्लाईओवर और फुट ओवर ब्रिज की मरम्मत तो छोड़िए पेंटिंग भी नहीं हुई है।

यह तो नहीं माना जा सकता हरियाणा या उत्तर प्रदेश या पंजाब की नदियां पूरी तरह स्वच्छ व निर्मल हैं । हरियाणा के यमुना जल में कारखाने से निकलने वाले कचरे नहीं गिरते हैं यह भी नहीं कह सकते, पर दिल्ली जैसी यमुना में सड़ांध कहीं नहीं है। दिल्ली में पूरी यमुना की लंबाई का 2त्न है लेकिन इसके प्रदूषण का 80त्न अंशदान इसी का होता है। इसके लिए हम किसी दूसरे सरकार को जिम्मेदार नहीं मान सकते। यमुना शुद्धिकरण की योजना पर तरीके से काम नहीं किया गया। यमुना स्वच्छता से लेकर नमामि गंगे आदि के तहत दिल्ली सरकार को पूरे पैसे और सहयोग मिले हैं। यहां निर्धारित 12 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्मित होकर चालू नहीं हुए। इसके लिए किसे दोषी माना जाएगा? जहां के जल का मुख्य स्रोत यमुना नदी हो वहां किस तरह का पीने का पानी और वातावरण मिल रहा होगा इसकी कल्पना करिए। उन्होंने कुछ दिन पहले ही दिल्ली की सड़कों और यमुना के पानी को स्वच्छ करने के अपने वायदे को पूरा न करने के लिए लोगों से क्षमा याचना का बयान दिया था। उनको लगता था कि यह मुद्दा बन रहा है, इसलिए माफी मांग कर मुद्दे को कमजोर करने की रणनीति अपनाई। किसी परिस्थिति में दूसरी पार्टी और सरकार को पूरे राज्य की जनता की हत्या की कोशिश करने बाला बता देना क्षमा योग्य राजनीति नहीं है। इससे हिंसा हो सकती है। आम लोग भाजपा के कार्यकर्ताओं के वृद्धि हिंसा कर सकते हैं, हरियाणा के लोगों पर हमले हो सकते हैं और हिंसक अराजकता का माहौल बन सकता है।

चुनाव आयोग निश्चित रूप से इस मामले को जांच के लिए देगा और हरियाणा में भी मुकदमा चलेगा। अगर आपने आरोप लगाया है तो आपको प्रमाण देना होगा किस स्थान पर कहां कितना जहर मिलाया गया और जहर मिलाने वाले कौन हैं? यमुना को पूरी तरह सड़ा देने की अपनी जिम्मेवारी को दूसरे के सिर डालकर वोट पाने की राजनीति किसी भी तरह स्वीकार नहीं हो सकती। इससे ऐसी घातक राजनीति के दौड़ की शुरुआत होगी जिसका अंत भयावह होगा। नदी के पानी में लोगों को मारने के साजिश के तहत जहर डालने जैसे आरोपों की राजनीति की हर स्तर से निंदा तथा इसके विरुद्ध सभी संभव कानूनी कार्रवाई होनी ही चाहिए।

सामयिक

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

सैफ अब सेफ लेकिन नहीं थम रहे सवाल अनसुलझे

यह न तो किसी फिल्म का हिस्सा है और न ही कोई स्टंट। फिल्म अदाकार सैफ अली खान अपने घर पर 16 जनवरी की आधी रात बाद बदनीयत से घुसे एक आरोपी के प्राणघातक हमले से बुरी तरह जख्मीं हो खून से लथपथ हो जाते हैं। शेरदिल सैफ अपने छोटे बच्चे के साथ ऑटो में बैठकर अस्पताल पहुंचते हैं। घायल सैफ को पहचानते ही अस्पताल में तहलका मचता है। हैसियत के अनुसार बेहतर इलाज मिलता है। खबरिया चैनलों में घटना को दिखाने की होड़ मचती है। देखते ही देखते एक सेलेब्रिटी पर हमला हर जुबान पर होता है। लोग अपने-अपने कयास लगाते हैं। मुंबई पुलिस पर उंगली उठती है। हड़बड़ाहट में पुलिस को जो सुराग, सबूत हाथ लगते हैं उसी पर काम शुरू हो जाता है। सी.सी.टी.वी. फुटेज मिलते ही पलक झपकते हर मोबाइल पर पहुंच जाती है।

कई घण्टे बल्कि दिन पुलिस खाली हाथ रहती है। धीरे-धीरे सुराग मिलने के दावे होते हैं। तीन संदेहियों की बात होती है। हद तो तब हो जाती है जब छत्तीसगढ़ जा रहे कथित आरोपी की फोटो जारी हो जाती है जिससे उसकी न केवल नौकरी चली गई बल्कि होने वाली शादी भी टूट गई। उससे हाथ कुछ नहीं लगा। काफी मशक्कत, किरकिरी और नाक के सवाल के बीच 35 पुलिस टीमों की 60 घण्टों की भागदौड़ से 19 जनवरी को कथित असली आरोपी हाथ लगता है। इसे बांगलादेशी घुसपैठिया शरीफुल इस्लाम शहजाद बताया जाता है। दूसरी ओर बांगलादेश में बैठा उसका पिता देखते ही साफ इंकार करता है कि सी.सी.टी.वी. में दिख रहा शख्स उनका बेटा नहीं है।

इसी बीच फुटेज और पकड़ाए आरोपी के अलग-अलग हुलिए पर नई बहस और कई तर्क-कुतर्क शुरू हो जाते हैं। वाकई दोनों अलग-अलग दिखते हैं जो पहली नजर में समझ आता है। देश की सबसे स्मार्ट कहलाने वाली मुंबई पुलिस अपने ही जारी वीडियो पर घिर जाती है। बात तकनीक से पहचान तक आती है। वहीं दूसरे आम जानकार भी सवाल उठाते हैं। आम और खास सभी फुटेज और गिरफ्तार आरोपी के चित्रों का मिलान करते हैं और संदेहों की झड़ी लग जाती है। सी.सी.टी.वी. में बाल काले हैं आरोपी के बाल थोड़े से सफेद हैं। दोनों की उम्र भी अलग-अलग झलकती है। पकड़ा गया उम्र दराज लगता है तो फुटेज वाला बनिस्बत युवा। माथे का आकार-प्रकार भी अलग-अलग दिखता है। सी.सी.टी.वी. वाले का माथा पकड़ाए आरोपी की तुलना में छोटा है। आँखों में भी साफ अंतर है। पकड़ाए आरोपी की आँखें थोड़ी चौड़ी और बादाम के आकार सी है। सी.सी.टी.वी. में दिख रही आँखें गोल और छोटी हैं। दोनों की भौंहों का अंतर भी साफ-साफ झलकता है। दोनों की नाक का भी अंतर समझ आता है। गिरफ्तार की नाक चौड़ी है। फुटेज में नाक नुकीली और कम चौड़ी है। दोनों के होंठों में साफ-साफ अंतर दिख रहा है।

बात सिर्फ आरोपी की हो तो भी समझ आता है। लेकिन सैफ के डिस्चार्ज के वक्त आए वीडियो ने तो जैसे हंगामा बरपा दिया। चूंकि उन पर चाकू से इतने वार हुए कि एक टुकड़ा टूटकर पीठ में जा घुसा जो सर्जरी से निकला। जाहिर है जख्म गहरे होंगे और सैफ बेइंतिहा दर्द से गुजरे होंगे। साधारणतया फांस घुसने या नाखून के साथ किनारे जमीं चमड़ी कट जाने पर कई-कई दिन लोगों को तकलीफ रहती है। वहीं बुरी तरह जख्मी सैफ की सेहत में हैरानी भरा सुधार और इतना कि अस्पताल से पैदल चलकर हीरो माफिक निकलना खुद ही बड़ा सवाल बन गया? जबकि डॉक्टरों की हिदायत पूरी तरह से आराम यानी बेड रेस्ट की रही।

परिस्थितियों और बाद के घटनाक्रम ने संदेह और बढ़ाया। आम तो आम खास भी सवाल उठाने लगे। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने चुभते सवाल उठाए। पूछा कि क्या वाकई में चाकू से हमला हुआ या महज एक्टिंग थी? शिवसेना नेता संजय निरूपम भी कई सवाल उठाते हैं। सैफ पाँच दिन में ऐसे फ़िट कैसे हो गए? उद्धव गुट के सांसद संजय राउत फिटनेस को मेडिकल चमत्कार मान डॉक्टरों को श्रेय देते हैं।

इधर लहरें टीवी का सोशल मीडिया हैंडल एक पुराना वीडियो शेयर करता है। उसमें सैफ 1994 में दिल्ली में हुए हमले का खुलासा करते हैं। फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के प्रीमियर के बाद सैफ कुछ दोस्तों संग एक नाइट क्लब गए। वहां दो लड़कियां साथ डांस करने को कहती हैं। सैफ के इंकार पर लड़कियों के पुरुष दोस्त को बुरा लगा। बात चेहरा बिगाड़ने तक पर आ गई। सैफ पर हमला हुआ। वो सिर की चोट का निशान भी दिखाते हैं। लेकिन केस क्यों नहीं किया के जवाब में कहते हैं कि मामले को ज्यादा पब्लिसिटी नहीं देना चाहते थे वरना लोग उन्हें ही दोषी ठहराएंगे। इस बार ऐसा नहीं हुआ। चोटिल और इलाज के बाद निकलते सैफ किसी सुपरस्टार से कम नहीं लगे। 17 जनवरी की तड़के से अब तक सुर्खियां इतनी कि थमने के बजाए रोजाना कुछ न कुछ नई थ्योरी के साथ सामने होती हैं। हमले के वक्त घर पर कौन-कौन था, करीना लेकर अस्पताल क्यों नहीं पहुंची? साथ में वाकई कौन गया बेटा या कोई और?

निश्चित रूप से सैफ पर हमला, पकड़ाए आरोपी पर संदेह, सेहत में हैरानी भरा सुधार हर रोज नए-नए खुलासे, तर्क-वितर्क के बीच सच क्या और झूठ क्या है इस पर ऊहापोह की स्थिति है। कभी यह सुनाई देता है कि घटनास्थल से कलेक्ट किए गए नमूनों में से 19 नमूने आरोपी के फिंगरप्रिंट से मेल नहीं खा रहे। अब यह कि फेशियल रिकग्निशन टेस्ट में आरोपी शरीफुल का चेहरा और सैफ के घर में मिले सीसीटीवी के कैद आरोपी का चेहरा एक ही है। यह एक तरह से बायोमेट्रिक पहचान तकनीक है जो तीन भागों में विभाजित है। चेहरा पहचानना, चेहरा ट्रैकिंग और चेहरे को मिलाना। इस तकनीक से मुख्य रूप से यह पता किया जाता है कि दो तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति एक ही व्यक्ति है या नहीं?

इतना तो तय है कि घटना की गुत्थियां, पेचीदगियां और रहस्य कहीं न कहीं महाराष्ट्र पुलिस, सरकार और सेलीब्रिटीज के लिए लंबे अरसे तक सिरदर्द जरूर रहेंगी। सच-झूठ सिवाय सैफ-करीना के कौन जानता है यह भी अनसुलझा सवाल बन चुका है?

साहित्य के महामंडलेश्वर बनने का जुगाड़

कटाक्ष

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कलाकार हो या अदाकारा साहित्यकार हो या लेखक कवि हो उनकी सृजन और अदा पर देशकाल परिस्थिति का प्रभाव पड़ता है। यह एक महज संयोग ही था कि प्रयाग में कुंभ मेला चल रहा है और कुख्यात अदाकारा में वैराग्य जाग उठा! एक अदाकारा के संन्यास समारोह को देखकर कस्बे के कवि-लेखक और साहित्यकार ने कुंभ मेले में अपनी रचनाओं के अप्रकाशन से परेशान होकर साहित्य से संन्यास,वैराग्य लेने की घोषणा कर दी।

जिस तरह विरक्त साधु संन्यासियों का जमावड़ा कुंभ में हुआ। उसी तरह साहित्य से विरक्त होकर साहित्य सेवा से संन्यास लेने वालों का अजूबा प्रसंग भी देखने को मिला। इस अजूबे प्रसंग में कस्बे के साहित्यकार एकनाथ जी ने भी भाग लिया और बोले यह मौका है साहित्यकार तो न बन सके लेकिन साहित्य के महामंडलेश्वर का जुगाड़ कर साहित्य के कथित ऐश्वर्य और वैभव से दूर होकर साहित्यश्वर बन जाना ठीक होगा! एकनाथ जी के साहित्य से संन्यास लेकर साहित्यश्वर बनने की जुगाड़ को भांपकर पं शिवनारायण जी बोले वैराग्य के सोने और जागने की कोई समय सीमा नहीं है। वैराग्य कभी भी जग सकता है। समय-समय पर रचना छपती रहे तो यह साहित्य से वैराग्य लेने की वैलिडिटी बढ़ सकती है। वे बोले साहित्य की रचना कर,उसमें रच बस कर कोई पुरस्कार,अलंकरण हासिल नहीं कर पाते है तो वे साहित्य से संन्यास को जगा कर साहित्य से अलविदा करने की सोचते हैं।

पंडित जी के साहित्य संन्यास पर बोले गए वचनों से किनारा करते हुए सुनील भैया बोले वैराग्य के लिए कोई उम्र बंधन नहीं है ।वह किसी भी अवस्थाए किसी भी परिस्थिति में हो सकता है। साहित्य से संन्यास के लिए कोई टेस्ट, परीक्षण ,परीक्षा नहीं देना पड़ती है। संन्यास , सन्यास होता है ।चाहे वह गलत हाथों , नकली संस्थाओं से मिले या असली संस्थाओं से मिले,एक बार इन्हीं हाथों से संन्यासी होने की दुशाला ओढ़ लो, तब साहित्य को न जानते हुए भी साहित्यकार कहलाने का तमगा हासिल हो जाता है।

इस पर ख्याली रामजी बोले चाहे कुंभ में जीवन से वैराग्य लेने की बात हो या संत मुनि और मंडलेश्वर बनने की दीक्षा हो,चाहे फिल्म अदाकारा से साधुत्व का चोला स्वीकार करने की बात हो, चाहे साहित्य से संन्यास लेकर साहित्यश्वर बनने की पदवी भी हो लेकिन संन्यास के बाद भी जिंदगी के व्यतीत लम्हे सन्यासी जीवन के आजू बाजू खड़े रहते हैं।

इस पर राजनीतिक रुझान रखने वाले शालिग्राम जी बोले संन्यास लेने के बाद संन्यास को सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र में मौका मिलने की संभावना बनी रहती है और जब कोई एक बार सन्यासी सत्ता ,राजनीति, समाज का न्यासी बन जाता है तो इन क्षेत्रों में जिंदगी भर प्रयास करने वालों को संन्यासी होने का तमगा उपलब्धियों से सराबोर कर देता है और वे भोगी से योगी, संसारी से भारी हो जाते है।

इस पर आध्यात्मिकता से जुड़े अरविंद बोले कुंभ का सन्यास से गहरा नाता है और इसी काल में साहित्य सेवा से संन्यास पुण्य के उदय का ही प्रतिफल होता हैं । इसी कारण साहित्यकार का साहित्य से संन्यास लेने का निर्णय वह हासिल कराएगा जो वे संसार में लिप्त होकर भी हासिल नहीं कर सकते थे ।इसलिए साहित्य हो या कोई भी विधा से संन्यास, महज संन्यास न होकर जिंदगी में बहुत कुछ प्राप्त करने की अनूठा जुगाड़ है !

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

संजय तेलंग

(वरिष्ठ पत्रकार और लेखक)

पता पूछोगे तो घर तक छोड़ आएंगे!

यदि कोई पता पूछने पर उसे घर तक छोड़ आए, तो यह बात सामान्य लगती है। लेकिन, नए दौर की व्यस्त दुनिया में संभव नहीं है। अब तो वह ज़माना है कि पड़ौसी ही पड़ौसी को नहीं पहचानता। वैसे किसी का पता पूछना कोई असामान्य बात नहीं है। हर दिन कहीं न कहीं, कोई न कोई पता पूछता मिल ही जाएगा। बड़े शहरों में तो ऐसे दृश्य आम हैं। अब यह बात और है कि पता पूछे जाने पर कुछ लोग व्यस्तता का बहाना बना कर आगे बढ़ जाते हैं और कुछ पता पूछने वाले को इग्नोर ही कर देते हैं, लेकिन हमारे इंदौर शहर वाले ऐसे बिलकुल नहीं हैं। उनसे पता पूछे जाने पर वे गर्व महसूस करते हैं और इस टास्क को पूरा करने के लिए अपना काम तक छोड़ने को तैयार रहते हैं।

डिटेल में पता समझाने में इंदौर वालों को अजीब सा सुख मिलता है। यदि सामने वाला समझ न पाए तो उसके साथ जाकर पता बताने में भी उन्हें कोई गुरेज नहीं होता। इसका अर्थ यह नहीं है कि इंदौर में लोग फुरसती हैं, उनके पास कोई काम-धंधा नहीं है और वे नैटू फुरसती हैं। नहीं भाई साहब, सभी कुछ न कुछ कामकाज करते ही हैं, लेकिन पता बताने के सुख से कोई भी महरूम भी होना नहीं चाहता। दरअसल, अधिकांश इंदौर वालों में यह एक ऐसी आदत है जो उनके खून में बसी है और खून तो अपना स्वभाव कभी नहीं बदलता। यह बात कभी भी आजमायी जा सकती है।

इंदौर में एक पता पूछने वाले को पता बताने वाले दो-तीन लोग तैयार मिलेंगे। अब यह सामने वाले की च्वाइस पर डिपेंड करता है कि वह किससे पता समझे। जिससे भी वह पता समझने को तैयार होता है, वह अपने आपको खुशकिस्मत समझता है। हाल में मैंने देखा व्यस्त सड़क पर एक अन्य स्टेट की कार के पास दो पैदल, एक बाइक सवार और दो स्कूटी वाले खड़े थे। दोपहर के समय यातायात का दबाव अधिक होने से वहां हार्न की चिल्पो मची थी। इससे बेखबर कार वाले के साथ पैदल, बाइक और स्कूटी वाले किसी गहन चर्चा में व्यस्त थे। कुछ देर में कार आगे बढ़ी और उसके आगे था एक बाइक सवार। दोनों आगे जाकर एक गली में मुड़े और ओझल हो गए।

जिज्ञासावश मैंने थोड़ी देर पहले कार के पास ही खड़े स्कूटी सवार से पूछ लिया 'क्या हुआ भैया, क्या एक्सीडेंट हो गया है?' उसका जवाब था नहीं भिया, बाहर की गाड़ी है, पता पूछ रिये थे। बाइक वाला कार वाले को उसके मुकाम पर पहुंचाने के लिए निकल चुका था। कार के आगे चल रही बाइक वाले के चेहरे पर विजयी मुस्कान थी, मानों उसने केबीसी का फाइनल जीत लिया हो। उसकी मुस्कान मेरी पहले कही बात का का प्रमाण है कि पता बताने की आदत खून में भी बस सकती है। बाइक सवार पता नहीं किस काम से जा रहा होगा लेकिन सब-कुछ भूल कर वह एक अन्य परोपकारी काम में पुण्य कमाने के इरादे से लग चुका था।

वैसे, इंदौर में सभी ऐसे नहीं हैं जो बाहर से आए शहर से अनजान व्यक्ति की किसी भी हद तक जाकर मदद करने को तैयार रहते हों। कुछ सरफिरे भी होते हैं, जो पता बताना तो दूर पूछने वाले को चार बातें सुना कर उसकी लू तक उतारने में नहीं चूकते। मैं ऐसे ही एक पान वाले को जानता हूं, जिसकी दुकान शहर के मुख्य चौराहे पर है। वहां पता पूछने वाले सबसे ज्यादा पहुंचते थे। सुबह जब वे दुकान खोलते, तब अच्छे मूड में होते थे। ऐसे समय कोई खुशकिस्मत पता पूछ ले तो वे खुशी-खुशी उसे समझा देते। जैसे-जैसे समय आगे सरकता और पता पूछने वालों की संख्या बढ़ती, वैसे-वैसे उनका पारा भी चढ़ने लगता। वे सीधे मुंह बात तक नहीं करते- 'यार भिया, काम धंधा करूं कि पता ही बताता रेऊं। सुबह से 100 रुपए का धंधा नी हुआ है। और किसी से पूछ लो भिया अपने को नी मालूम था।' बाद में पान वाले पता पूछने वालों से इतने परेशान हो गए कि उन्होंने दुकान पर एक बोर्ड लगा दिया, उस पर लिखा था 'पता पूछकर समय खराब न करें, पता बताने के पांच रुपए लगेंगे।' इससे उनकी परेशानी हल हुई या नहीं यह तो भगवान ही जानें।

मुंबई जैसे महानगर में पता पूछने वालों की संख्या बहुत ज्यादा होती है। वहां पता पूछते अनेक लोग मिल जाएंगे, लेकिन ऐसे लोगों की बात सुनने का वक्त किसी के पास नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि वहां पता पूछने वाले निराश ही होते होंगे। एक बार मैंने एक ट्रक ड्राइवर के खर्चे की डायरी देखी। उसमें खाने-पीने, पुलिस वालों को देने जैसे खर्चों के साथ पता बताने वाले के खर्च का भी उल्लेख था। जी हां, मुंबई में ऐसे कई लोग हैं जिनके घर पता बताने से होने वाली आय से चल रहे हैं।

सालों पहले मैं भी एक बार अपने मित्र के साथ कार से मुंबई गया था। हमें जहां जाना था उस जगह के बारे में बिलकुल अंदाज नहीं था। हमें परेशान देख एक व्यक्ति हमारे पास आया और पता बताने का ऑफर दिया। बदले में उसने 50 रुपए मांगे। हमें ऑफर ठीक लगा, ओके कर दिया। वह व्यक्ति आगे बैठ गया और ड्राइवर को गाइड करने लगा, जल्दी ही उसने हमें सही ठिकाने पर पहुंचा दिया। रास्ते में उसने बताया कि मुंबई में कई लोग यह काम कर रहे हैं। ऐसे लोगों का धंधा इंटरनेट और उस पर गूगल मेप की सुविधा मिलने से निश्चित रूप से प्रभावित हुआ होगा, लेकिन छोटे शहरों में आज भी आसपास के गांवों से आने वाले पता पूछ ही लेते हैं। और इंदौर की बात तो निराली ही है, पता पूछने वालों को पता बताने वाले आज भी पहले की तरह तैयार मिलेंगे।

न्याय और कानून

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

भारतीय वायुयान अधिनियम विधायी की सुधार प्रक्रिया शुरू

भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 एक विधायी सुधार है। इसका उद्देश्य समकालीन जरूरतों और वैश्विक मानकों के अनुरूप विमान अधिनियम, 1934 को फिर से लागू करके भारत के विमानन क्षेत्र को आधुनिक बनाना है। यह अधिनियम विमानन उद्योग में स्पष्टता, दक्षता और व्यापार करने को आसान बनाता है। नया कानून 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देगा। नया अधिनियम शिकागो कन्वेंशन और आईसीएओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के अनुरूप है।

विमान अधिनियम 1934, भारतीय हवाई अड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए) अधिनियम 2008 देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र को नियंत्रित करते हैं। 1934 अधिनियम नागरिक उड्डयन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को नियंत्रित करता है तथा 2008 के अधिनियम ने हवाई अड्डों पर वितरित वैमानिक सेवाओं के लिए शुल्कों को विनियमित करने और हवाई अड्डों के प्रदर्शन मानकों की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र प्राधिकरण की स्थापना की गई थी। वैधानिक मान्यता प्रदान करने के लिए 1934 अधिनियम में 2020 में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) जो विनियामक कार्य और सुरक्षा की देखरेख करता है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) जो सुरक्षा की देखरेख करता है और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) जो विमान दुर्घटनाओं की जांच करता है से संबंधित संशोधन किए गए थे।

अगस्त 2013 में सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक स्थापित करने के लिए भारतीय नागरिक उड्डयन प्राधिकरण विधेयक, 2013 पेश किया गया। हालांकि, 15वीं लोकसभा के भंग होने के साथ ही यह विधेयक समाप्त हो गया। भारतीय वायुयान विधायक, 2024 को 31 जुलाई, 2024 को लोकसभा में पेश किया गया और 9 अगस्त, 2024 को लोकसभा द्वारा पारित किया गया। राज्यसभा द्वारा 5 दिसंबर 2024 को पारित किया गया था। राष्ट्रपति से सहमति मिलने के बाद विधेयक के प्रावधान 1 जनवरी, 2025 को लागू हो गए। भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 एक विधायी सुधार है। इसका उद्देश्य समकालीन जरूरतों और वैश्विक मानकों के अनुरूप विमान अधिनियम, 1934 को फिर से लागू करके भारत के विमानन क्षेत्र को आधुनिक बनाना है।

यह अधिनियम विमानन उद्योग में स्पष्टता, दक्षता और व्यापार करने में आसानी की आवश्यकता को रेखांकित करता है। नया कानून मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देगा। नया अधिनियम शिकागो कन्वेंशन और आईसीएओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के अनुरूप है। यह लाइसेंस जारी करने को सरल बनाने जैसी नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करता है। अंततः भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 का लक्ष्य भारत के विमानन क्षेत्र में क्रांति लाना, सुरक्षा, नवाचार, विकास और वैश्विक अनुपालन को बढ़ाना है। अधिनियम तीन प्राधिकरण स्थापित करता है। नियामक कार्य करने और सुरक्षा की निगरानी के लिए डीजीसीए, सुरक्षा की निगरानी के लिए बीसीएएस और विमान दुर्घटनाओं की जांच के लिए एएआईबी। केंद्र सरकार इन निकायों पर समग्र पर्यवेक्षण करती है। सरकार इन निकायों को निर्देश जारी कर सकती है और उनके आदेशों की समीक्षा कर सकती है। विधेयक इन प्रावधानों को बरकरार रखता है। इसमें कहा गया है कि डीजीसीए या बीसीएएस के आदेश के खिलाफ अपील केंद्र सरकार के समक्ष की जाएगी। आगे किसी अपील की अनुमति नहीं है।

अधिनियम विनिर्माण, उपयोग, संचालन और व्यापार सहित विमान से संबंधित गतिविधियों को नियंत्रित करता है। साथ ही यह विमानों के डिजाइन को विनियमित करने की शक्तियां जोड़ता है। अधिनियम केंद्र सरकार को विमानों से संबंधित विशिष्ट गतिविधियों का विनियमन और लाइसेंसिंग, प्रमाणन और निरीक्षण से संबंधित मामले, हवाई परिवहन सेवाओं का विनियमन और अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन पर कन्वेंशन, 1944 का कार्यान्वयन पर नियम बनाने का अधिकार देता है। विधेयक इन प्रावधानों को बरकरार रखता है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार कन्वेंशन के तहत रेडियो टेलीफोन ऑपरेटर प्रमाण पत्र और लाइसेंस पर भी नियम बना सकती है। विधेयक कई अपराधों और दंडों को निर्दिष्ट करता है। निम्नलिखित अपराधों के लिए दो साल तक की कैद, एक करोड़ रूपये तक का जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। इनमें हथियारों और विस्फोटकों जैसे विमानों में कुछ प्रतिबंधित सामानों की ढुलाई पर नियमों का उल्लंघन करना, तरीके से विमान उड़ाना किसी व्यक्ति या संपत्ति को खतरा पैदा करना और डीजीसीए और बीसीएएस के निर्देशों का पालन करने पर रोक लगाने वाले नियमों का उल्लंघन करने पर तीन साल तक की कैद, एक करोड़ रूपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडनीय होगा।

विधेयक केंद्र सरकार को निम्नलिखित से संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए नागरिक या आपराधिक दंड निर्दिष्ट करने का विवेक भी देता है। इनमें डिजाइन, विनिर्माण, उपयोग और व्यापार जैसे विमानों से संबंधित गतिविधियों का विनियमन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का कार्यान्वयन, दुर्घटनाओं की जांच, सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और विमान को रोकने की शक्तियां सम्मिलित है। सिविल जुर्माना एक करोड़ रूपये तक हो सकता है। आपराधिक दंड में दो साल तक की कैद, एक करोड़ रूपए तक का जुर्माना या दोनों होंगे। अधिनियम नियामक कार्यों को करने और सुरक्षा की देखरेख के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की स्थापना करता है। डीजीसीए का नेतृत्व केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक अधिकारी करेगा। केंद्र सरकार डीजीसीए पर निगरानी रखेगी। यह डीजीसीए के आदेशों को संशोधित या रद्द कर सकती है और डीजीसीए को इसके निर्देश बाध्यकारी होंगे।

विधेयक महानिदेशक के लिए योग्यताएं, उसके चयन का तरीका या उसकी सेवा का कार्यकाल जैसे प्रावधान बरकरार रखता है। यानी डीजीसीए एक सरकारी विभाग के समान है और निर्णय लेने के लिए सरकार से स्वतंत्र नहीं है। यह नियामक संरचना दूरसंचार, बिजली और बीमा जैसे महत्वपूर्ण निजी क्षेत्र की उपस्थिति के साथ अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों से अलग है। एयरलाइंस के संबंध में, यात्री और कार्गो दोनों खंडों को पूरी तरह से निजी वाहक द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। भारतीय वायुयान अधिनियम का उद्देश्य विशेष रूप से अधिक कुशल और सुरक्षित वायु संचालन बनाना है, साथ ही उच्च सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करके बेहतर उपभोक्ता संरक्षण वातावरण भी प्रदान करना है।

यह अधिनियम समयबद्ध प्रतिक्रिया अवधि सुनिश्चित करते हुए यात्री शिकायतों को दूर करने के लिए एक कुशल ऑनलाईन तंत्र बनाने की आकांक्षा रखता है। इसके अलावा, अधिनियम अतिरेक को हटाता है और हवाई यातायात प्रबंधन और ड्रोन खंड जैसे क्षेत्रों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी नियामक शक्तियां प्रदान करता है। साथ ही, यह नियमों को आसान बनाकर और निवेष के लिए स्वागत योग्य माहौल स्थापित करके, विषेष रूप से विमान पट्टे पर देने के मामले में, वैष्विक मानकों के साथ भारत के कानून का मिलान करने के लिए एक नियामक ढांचा प्रदान करता है। यह अधिनियम डिजाइन, असेंबली, प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित पहलुओं को विनियमित करके देश में विमान निर्माण को बढ़ावा देना चाहता है। मूलतः इस अधिनियम का उद्देश्य अन्य मामलों के साथ-साथ विमान के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव, कब्जा, उपयोग, संचालन, बिक्री, निर्यात और आयात को विनियमित और नियंत्रित करता है। पूर्ववर्ती, भारतीय विमान अधिनियम, 1934 में लाया गया था। यह पिछले कुछ वर्षों में कई बदलावों से गुजरा, जिसमें 21 बार संशोधन किए गए।

हालांकि, 2024 अधिनियम में हालिया विकास को देखते हुए चिंताएं हैं। नियामक प्राधिकरणों की स्वायत्तता क्योंकि अभी भी व्यापक नियंत्रण/शक्ति केंद्र सरकार के पास है। 2024 अधिनियम के तहत डीजीसीए सरकार के अधीन बना रहेगा। पर्यवेक्षण/नियंत्रण 2024 अधिनियम विमान अधिनियम से एक कदम आगे बढ़ता है और केंद्र सरकार के पास उपलब्ध शक्तियों को बढ़ाता है। यह सरकार को मुआवजा विवादों में एकतरफा मध्यस्थ नियुक्त करने की अनुमति देता है। केंद्र सरकार लगाए जाने वाले आपराधिक दंडों को तय करने के साथ-साथ पार्टियों से जुड़े ऐसे विवादों पर निर्णय लेने की शक्तियां दी गई हैं। इसलिए, शक्तियों का कोई पृथक्करण नहीं है। डीजीसीए और बीसीएएस (जो पहले से ही सीधे सरकार के नियंत्रण में हैं) के आदेशों के खिलाफ अपील केंद्र सरकार के समक्ष की जाएगी।

यह सब ऐसी एजेंसियों की स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाला है। अधिकारियों की स्वतंत्रता किसी भी क्षेत्र के फलने-फूलने के लिए महत्वपूर्ण आदेश है, जैसे कि ऊर्जा, दूरसंचार जैसे अन्य विशिष्ट क्षेत्र/क्षेत्र, जहां नियामक निकायों के फैसले के खिलाफ अपील स्वतंत्र नियामकों के पास होती है। कुल मिलाकर, 2024 अधिनियम भारत के विमानन क्षेत्र के लिए प्रगतिशील और एक महत्वाकांक्षी कदम है। यह न केवल सुरक्षा मानकों को मजबूत करता है बल्कि मेक इन इंडिया जैसी राष्ट्रीय पहल और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ भी संरेखित होता है। हालांकि, इसकी सफलता मुख्य रूप से प्रभावी कार्यान्वयन, क्षेत्र में निवेश और नियामक प्राधिकरणों की स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता पर निर्भर करेगी, जबकि पहले वे केंद्र सरकार के सीधे नियंत्रण में थे।

नर्मदा जंयती पर विशेष

सुरेश पचौरी

लेखक पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे हैं।

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवि नर्मदे

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेस्मिन् सन्निधिं कुरु।।

नर्मदा भारत की सात पवित्र नदियों में एक है। पुराणों में नर्मदा को गंगा के समान पवित्र माना गया है। पौराणिक आख्यान बताते हैं कि नर्मदा प्रलय के प्रभाव से मुक्त, अयोनिजा और कुमारी है। पृथ्वी पर नर्मदा ही ऐसी एकमात्र नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। भारत की अन्य नदियों के विपरीत नर्मदा पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इसका एक नाम रेवा भी है। नर्मदा के मानस पुत्र कहे जाने वाले और तीन बार नर्मदा की परिक्रमा करने वाले प्रख्यात चित्रकार, यात्रा वृत्तांतकार और वक्ता श्री अमृतलाल वेगड़ कहते हैं कि गंगा भले ही श्रेष्ठ है, ज्येष्ठ तो नर्मदा ही है। नर्मदा के तट पर मकर संक्रांति के पुण्य पर्व पर जगह-जगह मेले लगते हैं। नर्मदांचल में बसने वाले समाज की संस्कृति का दिग्दर्शन इन मेलों से होता है। इनमें जनजातीय संस्कृति, आंचलिक संस्कृति और नागर संस्कृति का परिचय मिलता है। विविधता का ऐसा सहअस्तित्व, समन्वय, सामंजस्य और समरसता भारतीय समाज और संस्कृति की गौरवशाली विरासत है। परंपरा है।

नर्मदा के तट पर, विशेष रूप से जहाँ नर्मदा का प्रवाह अरण्य से गुजरता है, अतीत में वहाँ अनेक ऋषियों और मुनियों ने तपस्या की है। साधना की है। गुरुकुल बनाए हैं। समाज को अच्छा मनुष्य बनाने के संस्कारों की धारा प्रवाहित की है। नर्मदा को दक्षिण गंगा भी कहा गया है। नर्मदा को समाज ने माँ माना है। देवी स्वरूप में स्वीकारा है। उसकी पूजा की है। मनौती माँगी है। तटीय समाज में यह परंपरा है कि विवाह का पहला आमंत्रण नर्मदा जी को समर्पित किया जाता है। अमरकंटक में नर्मदा के उद्गम से लेकर भेड़ाघाट के धुँआधार, बरमान घाट, बांद्राभान और नर्मदापुरम् का सेठानी घाट नेमावर और हंडिया, ओंकारेश्वर और महेश्वर से लेकर भरुच तक तीर्थ स्थलों की श्रृंखला विद्यमान है। यहाँ धर्म और आध्यात्म की सरिता सतत् प्रवाहमान है। एकादशी, पूर्णिमा और अमावस्या को दूर-दूर से श्रद्धालु जन नर्मदा स्नान के लिए आते हैं। ग्रीष्म, पावस, शीत कोई मौसम इस परंपरा में बाधक नहीं हो पाता। आज भी निर्जन तटों पर संन्यासियों और साधकों की कुटियाँ यत्र-तत्र दिख जाती हैं। नर्मदा जयंती पूरी नर्मदा पट्टी में उत्साह, उल्लास और आस्थापूर्वक मनायी जाती है। नर्मदा स्नान के लिए जाते पद यात्रियों और बैलगाड़ियों में सवार आबाल वृद्ध नर-नारियों के कंठों से बहती आस्था की सरिता के सुर लोकमान्यताओं का सजीव चित्रण प्रस्तुत करते हैं। यहाँ गाए जाने वाले लोकगीतों

को बम्बुलियां कहा जाता है- नरबदा मैय्या ऐसे मिली रे, जैसे मिल गए मताई और बाप रे- यह भावनात्मक नाता है नर्मदा और उसके भक्तों का।

आलेख के आरंभ में भारत की जिन सात पवित्रतम सरिताओं का उल्लेख है, वे और कुछ अन्य नदियाँ- ताप्ती, महानदी, कृष्णा, बेतवा, क्षिप्रा आदि को पूज्य माना जाता है। भारत में होने वाले चार महाकुंभों में से दो प्रयागराज और हरिद्वार गंगा तट पर होते हैं। नासिक का कुंभ गोदावरी के तट पर और अवंतिका (उज्जयिनी) का सिंहस्थ कुंभ शिप्रा के तट पर हर बारहवें वर्ष पर होता है। प्रयागराज का महाकुंभ तो समूचे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक, आध्यात्मिक समागम है। आस्था और पूजन की चरम मान्यता के बावजूद यह स्पष्ट है कि जो गौरव नर्मदा जी को प्राप्त है वह अन्य पवित्र सरिताओं के हिस्से में नहीं आया है। नर्मदा एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। वर्तमान युग में वाहनों से परिक्रमा की जाने लगी है। पैदल परिक्रमा में भी नर्मदा में विलीन होने वाली सहायक नदियों को लाँघ लिया जाता है। इससे 7-8 महीने में परिक्रमा पूरी हो जाती है। जबकि नर्मदा परिक्रमा का मूल स्वरूप मार्कण्डेय परंपरा में मिलता है। इस परिक्रमा में तीन वर्ष, तीन माह, तीन दिन लगते हैं। जिन-जिन सहायक नदियों का नर्मदा से संगम होता है, उन्हें लाँघा नहीं जाता बल्कि उनकी भी परिक्रमा करते हुए परकम्मावासी नर्मदा परिक्रमा को पूर्णता प्रदान करते हैं। यह भक्ति और शक्ति का अनूठा उपक्रम है जो आदिकाल से निभाया जा रहा है। नर्मदा परिक्रमा की एक और विशेषता है। परकम्मावासी बीच में जहाँ कहीं भी विश्राम करते हैं वहाँ उनके लिए ठहरने और भोजन की निःशुल्क व्यवस्था होती है। कोई पीठ पर सामान लादकर नहीं चलता। जहाँ धर्मशाला आदि नहीं होतीं वहाँ गाँव वाले अपने घरों की दहलान में या गाँव के मंदिर में ठहरने और भोजन की व्यवस्था अपना कर्तव्य मानकर करते हैं। ठहरने के ठिकानों पर भजन कीर्तन से भक्ति रस की सरिता बहती है। यह भारतीय संस्कृति में विद्यमान सामुदायिक जीवन प्रणाली अन्यतम उदाहरण है जो अन्य किसी भी संस्कृति में दुर्लभ है।

नर्मदा को मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माना जाता है। नर्मदा के आँचल में आरोग्य और स्वास्थ्य प्रदान करने वाली जड़ी बूटियों का दुर्लभ खजाना है। नर्मदा जल के कारण ही नर्मदा घाटी की भूमि उर्वर है। नर्मदा मानव, पशु-पक्षियों, खेती-किसानी, वन, कल कारखानों की अपरिहार्य आवश्यकता की पूर्ति करती है। खनिज पदार्थों का बाहुल्य भी नर्मदा के वनों और पर्वतों में विद्यमान है। किसी समाज के जीवन यापन और विकास के लिए जल की उपलब्धता बुनियादी शर्त है। यही जीवन का आधार भी है। भारत में आदिकाल से यह लोकमान्यता व्यवहार में है कि जल ही जीवन है। यह हमारे लिए नारा नहीं अपितु जीवन मंत्र है।

ऐसी लोकहितैषी, जीवनदायिनी, समृद्धि प्रदायिनी नर्मदा मैय्या को हम बारम्बार प्रणाम करते है।

कला

पंकज तिवारी

लेखक कला समीक्षक हैं।

मूर्तन तथा अमूर्तन के बीच झूलती कृतियाँ

अमूर्त जैसे शब्द को समय और काल में नहीं बाँधा जा सकता क्योंकि जो मेरे लिए अबूझ पहेली है, किसी और के लिए बायें हाथ का खेल हो सकता है, कोई तीसरा उसी पहेली के साथ उठता बैठता खेलता रहा होगा। जिसका जीता जागता उदाहरण स्तम्भों पर खुदे लिपियों तथा गुफाओं में खिंची आड़ी-तिरछी रेखाएं हैं। जो अभी तक रहस्य बनी हुई हैं जहाँ हमारा आपका ज्ञान, हमारी आपकी भाषा सब धरी की धरी रह गई है, बौने पड़ गये हैं हम। हमारे आज की कला में खींची गई रेखायें, भरे गये रंग शायद ना पढ़ा जा सके कई सौ साल बाद या कृतियों को सर्वथा भिन्न तरीके से पढ़ा जाय, कृतियों के उस पक्ष को पढ़ा जाय जो पक्ष गढ़ा ही न गया हो। तमाम भ्रांतियाँ हमेशा रही हैं और हमेशा रहेंगी जितना संभव हो सकता है हल करने का प्रयास किया जाता है पर हल की हुई भ्रांति कितनी सच है? क्या हम उसके जड़ तक पहुँच भी पाते हैं? ये सारे प्रश्न अनुत्तरित ही रह जाते हैं। अमूर्त कृतियों पर जब हम या स्वयं कलाकार ही अपने विचार रखने लगता है दर्शक को उस कृति से जोड़ने का प्रयास करता है तो क्या वो उस कृति की पूरी व्याख्या कर पाता है? क्या कुछ प्रतिशत भी कर पाता है? क्या उसके बाद उससे आगे उसमें व्याख्या की गुंजाइश नहीं रह जाती? क्या दर्शक उस कृति से उसी तरीके से जैसा कि कलाकार समझाना चाहता है जुड़ पाता है या कि वो उस कृति को अपने नजरिए से देखने में ज्यादा संतुष्ट हो पाता है? क्या दर्शक का संतुष्ट हो जाना ही कृति की सार्थकता है? क्या उसके आगे और कुछ काम शेष नहीं रह जाता एक कृति का। कहा जाता है कि स्वतंत्रता के आस-पास वाले समय में ही कला भी स्वतंत्र हुई है और वहीं से अमूर्तता की शुरुआत भी मानी जा सकती है पर गौर करने वाली बात ये है कि हम आधुनिक भारतीय अमूर्त कला पर चर्चा नहीं कर रहे अपितु भारतीय चित्रकला में अमूर्तन पर चर्चा कर रहे हैं अतः समय सीमा से परे चलकर बात करनी होगी। कला साहित्य या ऐसी हर विधाओं में एक बात आम रही है कि जो समय और समाज से तारतम्य बिठाकर सृजन करता है उसके कृतियों पर चर्चा होती है, लोग-बाग वहाँ तक पहुँचना चाहते हैं या जिस किसी सर्जक पर अचानक से किसी समीक्षक की निगाह पड़ जाती है उसकी कलाकृतियों से भी दर्शक जल्दी ही रूबरू हो जाते हैं, वहीं जो कलाकार इन सभी से इतर समाज के बंधनों से बिलग सिर्फ सृजन करते जाता है या जिसे लोग-बाग आसानी से नहीं समझ पाते उसे जब तक समझा जाता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है यहाँ तक कि कई वाद बीत चुके होते हैं। रही बात अमूर्त कृति और उसके कलाकार की तो समय सभी के साथ न्याय करता है। कृति में यदि कालजयी होने के गुण हैं तो देर से ही सही उसे कालजयी होने से कोई भी रोक नहीं सकता वहीं यदि वो विशेषता रहित है और झूठे ही बड़े-बड़े अलंकरणों से उसे शोभायमान किया जा रहा है तो भी वो ज्यादा दिन तक नहीं टिक सकता रही बात कृतियों के विशेषता पर गौर करने की, कि कौन और कैसे उसके मापदंड को तय कर सकता है? क्या मापने वाला उस योग्य है भी या नहीं? तो इन सभी का उत्तर या मापदंड समय तय करता है। एक कृति एक समय मूल्य विहीन

होती है वही कृति किसी और समय अनमोल हो जाती है। बादलों का उमड़-घुमड़ कर घिरना, पल-पल रंग बदलना एवं नये-नये रूपों में खुद को बदलते रहना क्या वहाँ अमूर्तन नहीं है? क्या बचपन में या पचपन में हम घिर-घिर आये बदरा के रूप को देखकर मोहित नहीं होते? क्या उनके पल-पल बदलते रंग और रूप के साथ अनजाने ही सही मुंह खोल के अपलक निहारते नहीं रहते? कोई भी वस्तु जिसे हम पहली बार देख रहे होते हैं हमारे लिए अमूर्त ही होता है, अलग बात है औरों के लिए वो मूर्त है। अमूर्त के समझ के बाद ही मूर्त की समझ विकसित होती है। बच्चा जब पहली-पहली बार चीजों को समझने का प्रयास करता है अमूर्तन से मूर्तन की तरफ ही बढ़ता है। अमूर्तन है तभी मूर्तन की समझ है, अमूर्तन है तभी रंग और रेखाओं का महत्व है, अमूर्तन है तभी नये सृजन की गुंजाइश है।

आज भारतीय कला में जो भी संकेत, चिन्ह, रूप-रंग प्रयोग में लाये जाते हैं और मूर्त रूप का प्रतिनिधित्व करते हैं वो भी तो कभी अमूर्त ही रहे होंगे, किसी विशेष वस्तु को प्रस्तुत करने हेतु तैयार लोगो क्या सीधे ही मूर्त हो गया होगा? क्या उस पर कलाकार लगातार कई-कई बार काम नहीं किया होगा, दो-चार ले-आउट तैयार नहीं किया होगा? कोई विशेष लोगो जब प्रयोग हेतु मान्य कर लिया जाता है तो वो मूर्त हो जाता है उसके साथ कथा और व्याख्या जुड़ जाते हैं तो क्या बाकी अमूर्त ही रह जायेंगे या उसमें से ही कोई दूसरा मान्य हो जाता तो ये लोगो जो पहले ही मान्य हो चुका है अमूर्त की श्रेणी में नहीं आ जाता। मूर्तन तथा अमूर्तन को लेकर तमाम भ्रांतियाँ हैं जो हमेशा ही बनी रहेगी। भारतीय कला या वैश्विक कला हमेशा से ही मूर्तन तथा अमूर्तन के बीच ही पली-बढ़ी है इससे इनकार नहीं किया जा सकता और ना ही इस बात से इनकार किया जा सकता कि आने वाले समय में भी इससे बचा जा सकता है। जिस भांति सुख-दुख, दिन-रात एक दूसरे के बिना अधूरे और अस्तित्वहीन हैं वैसे ही अमूर्तन के बिना मूर्तन या मूर्तन के बिना अमूर्तन का कोई अस्तित्व नहीं है। हम जैसे लोग अपने विचार संप्रेषित करते रहेंगे जो कुछ समय हेतु मान्य तो हो जायेंगे पर हमेशा के लिए मान्य होंगे संदेह है। समय के साथ वस्तुओं एवं विषय-वस्तुओं की परिभाषाएं बदलती रहती है और बदलते रहते हैं मानदंड।

हम थोड़ा पहले चलते हैं तो पाते हैं कि राजा रवि वर्मा जितने भी कृतियों का निर्माण करते हैं अधिकतर धार्मिक ग्रंथों पर आधारित है बात आती है कि जब तक कलाकार द्वारा किसी प्रतिनिधि रूप का अंकन नहीं कर दिया जाता तब तक तो वो कृति अमूर्त ही रहती है। रवि वर्मा के बारे में जानकारी है कि पहली बार देवी एवं देवताओं को उन्होंने ही चित्रों में ढाला था तो क्या ये मान लेना चाहिए कि जिस भी रूप में उन्होंने देवी एवं देवताओं को चित्रित किया क्या वही रूप उनका वास्तविक था? नहीं। हम दर्शकों को मूर्तरूप को पूजने एवं जल्दी से समझ जाने की आदत है फलतः हम उससे अपने आप को जल्द ही जोड़ लेते हैं। एक ही देवी को चार कलाकार चार चेहरे में चित्रित करते हैं तो क्या देवी का चेहरा चार रहा होगा? हीनयान, महायान जैसे चित्रण में भी मूर्तन तथा अमूर्तन को अच्छे से समझा जा सकता है, अमूर्तन धीरे-धीरे मूर्तन की तरफ बढ़ता रहा, भव्यता प्राप्त करता रहा और हीनयान महायान में बदलता रहा। अमूर्त कृति में भी दर्शक कोई न कोई रूप ढूंढ़ ही लेता है तभी उससे जुड़ाव महसूस कर पाता है अतः अमूर्तन एवं मूर्तन दोनों के अस्तित्व को स्वीकारना ही होगा।

समाजसेवी डॉ. तिवारी का निधन

बैतूल। शहर के काली चट्टान के पास, विकास नगर कालापाठा निवासी प्रतिष्ठित डॉ. श्रीराम तिवारी का रविवार रात निधन हो गया। 92 वर्षीय डॉ. श्रीराम तिवारी पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। जिनकी अंतिम यात्रा सोमवार 3 फरवरी को प्रातः 11 बजे उनके निज निवास रश्मि फ्यूल प्वाइंट, विकासनगर कालापाठा से बैतूलगंज मोक्षधाम के लिए निकाली गई। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक बंधु, गणमान्य नागरिक शामिल हुए। वे अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्र शशांक, प्रशांत, निशांत तिवारी, एक पुत्री-दामाद रश्मि आशीष दुबे सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा बड़ा परिवार छोड़ गये है। बैतूल गंज मोक्षधाम पर अंतिम संस्कार के बाद सभी ने मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना की और शोकाकुल परिवार को इस दुखद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

रानीपुर पुलिस ने किया लूट की वारदात का खुलासा

एक आरोपी गिरफ्तार, पांच फरार आरोपियों की पुलिस कर रही तलाश

बैतूल। रानीपुर थाना पुलिस ने लूट की एक घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले के अन्य पांच आरोपी अभी भी फरार हैं। यह घटना बैतूल-परासिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बंजारी माई के जंगल के पास हुई, जहां अज्ञात बदमाशों ने चाकू की नोक पर एक मोटरसाइकिल सवार दंपति से लूटपाट की। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात बैतूल से परासिया जा रहे मोटरसाइकिल चालक एवं उसकी पत्नी को दो वाहनों से आए अज्ञात लुटेरों ने रोक लिया और चाकू दिखाकर धमकाते हुए उनका मंगलसूत्र, नकदी एवं मोबाइल फोन छीन लिया। वारदात के दौरान ही किसी वाहन के सायरन की आवाज सुनकर आरोपी हड़बड़ा गए और पीड़ित की मोटरसाइकिल को सडक़ किनारे गड्ढे में फेंककर जंगल की ओर भाग गए। घटना की सूचना मिलते पुलिस टीम ने तत्काल इलाके में सर्च अभियान चलाया, जिसमें एक लुटेरे को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर लूट की वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। थाना प्रभारी ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। प्रारंभिक जांच में संदेह जताया जा रहा है कि लूट के दौरान इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिलें भी चोरी की हो सकती हैं, जिसकी पुष्टि जांच के बाद की जाएगी। पुलिस को आशंका है कि इस वारदात में पेशेवर अपराधियों का हाथ हो सकता है, जो पूर्व में भी लूट एवं चोरी जैसी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। रानीपुर पुलिस जल्द ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का पूरी तरह खुलासा करेगी।

चलती कार में लगी आग, कार सवारों ने कूदकर बचाई जान, वाहन जलकर खाक

बैतूल। घोड़ाडोंगरी तहसील के रानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बंजारी माई के पास रविवार रात करीब 2 बजे चलती कार में अचानक आग लग गई। कार सवारों ने तत्काल कार से कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर डायल-100 मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। हालांकि, जब तक दमकल आग पर काबू पाती, कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। रानीपुर थाना प्रभारी अवधेश तिवारी ने बताया कि आमढाना निवासी अंकित अपने परिजनों के साथ बैतूल जा रहा था। बंजारी माई के पास अचानक कार में आग लग गई, जिससे उसमें बैठे तीनों लोग तुरंत बाहर कूद गए और सुरक्षित बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही डायल-100 के पायलट श्याम वानखेड़े एवं सैनिक मिश्रीलाल गुजरे मौके पर पहुंचे और नगर परिषद घोड़ाडोंगरी की फायर ब्रिगेड को सूचित किया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या ईंधन लीकेज की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

साइबर ठगी से बचना है तो रहें सतर्क, बैतूल पुलिस ने इंजीनियरिंग छात्रों को किया जागरूक

बैतूल। श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें बैतूल पुलिस की साइबर सेल प्रभारी अश्विनी चौधरी ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय समझाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करने की सलाह दी और साइबर अपराध होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने को कहा। इस जागरूकता कार्यक्रम में प्रदीपन संस्थान बैतूल से दीपमाला खातरकर और रवि साकर चावरे ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज प्राचार्य डॉ. पी. जे. शाह, एन.एस.एस. प्रभारी प्रो. नीलेश मिश्रा, प्रो. कपिल पडलक, प्रो. भरत झारिया, प्रो. अंकित खासदेव, प्रो. हंसराज धाडसे और प्रो. मीणा सुने सहित अन्य स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बैतूल पुलिस की इस पहल के जरिए विद्यार्थियों को साइबर ठगी के बढ़ते मामलों से अवगत कराते हुए सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के लिए जागरूक किया गया।

11वीं के पहले प्रश्न पत्र से हुआ, वार्षिक परीक्षाओं के महाकुंभ का आगाज

126 केन्द्रों पर होगी 10वीं-12वीं की परीक्षाएं, 20 से गोपनीय सामग्री का वितरण

संजय द्विवेदी, बैतूल

सोमवार से 11वीं की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ हो गई है। 9वीं की 5 फरवरी से परीक्षा प्रारंभ होगी। यह परीक्षा भी बोर्ड पैटर्न पर आयोजित हो रही है। परीक्षा पर नजर रखने के लिए उड़नदस्तों का भी गठन किया गया है। कक्षा 11वीं की परीक्षा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक और कक्षा 9वीं की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी। इसके साथ ही 12वीं की परीक्षा 25 फरवरी व कक्षा 10वीं की परीक्षा 27 फरवरी से को शुरू होगी। वहीं राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 24 फरवरी से 5 मार्च तक कक्षा 5वीं एवं 8वीं की वार्षिक परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां की जा रही है। बैतूल जिले में परीक्षा के लिए 126 केन्द्र बनाएं गए है, इनमें से 6 केंद्रों को संवेदनशील और 6 केंद्रों को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। परीक्षा में नकलचियों पर नजर बनाने के लिए लगभग से 40 से 50 उड़नदस्ते का गठन किया गया है। इन उड़नदस्तों द्वारा नकलचियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। बताया गया कि परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी।

डीईओ ऑफिस में रहेगा कंट्रोल रूम

बोर्ड परीक्षा के लिए डीईओ ऑफिस को कंट्रोल रूम बनाया जायेगा, वहीं ब्लाक स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनेगे। सीसीटीवी की मॉनिटरिंग समन्वयक संस्था और डीईओ ऑफिस से होगी। परीक्षा में किसी भी प्रकार से कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्षों को मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी। किसी ने भी नियमों का पालन नहीं किया तो संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई होगी। इसके अलावा जो विद्यार्थी नकल करते पकड़ा जाएगा, उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्यवाही होगी।

उड़नदस्तों में अधिकारियों को किया शामिल

जानकारी के मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए बनाए उडनदस्ते में अधिकारियों को भी शामिल किया है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बीआरसी, नगर पालिका सीएमओ, राजस्व अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, सभी अनुविभागीय अधिकारी शामिल रहेगे। प्रत्येक ब्लॉक में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के एक-एक उड़नदस्ते गठित किए गए है। जिला मुख्यालय पर भी वरिष्ठ अधिकारियों को उड़नदस्तों में शामिल किया है। परीक्षा समय में इन उड़नदस्तों द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा। उड़नदस्तों द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी की जाएगी।

20 फरवरी से गोपनीय सामग्री का वितरण

जिला शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बोर्ड परीक्षा के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण 20 फरवरी तक होने की संभावना है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा गोपनीय सामग्री को जिला स्तर पर भेजा जाएगा, यहां से सभी परीक्षा केन्द्र प्रभारियों को गोपनीय सामग्री का वितरण किया जाएगा। इस बार प्रश्न पत्र की कड़ी निगरानी रखी जाएगी। प्रश्नपत्र किसी प्रकार से लिंक ना हो इसलिए इस बार सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। परीक्षापत्र को थानों में रखा जाएगा। मोबाइल एप के माध्यम से प्रश्न पत्र की निगरानी की जाएगी।

5वीं-8वीं में शामिल होंगे 46 हजार विद्यार्थी

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 24 फरवरी से 5 मार्च तक कक्षा 5वीं एवं 8वीं की वार्षिक परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ 9वीं और 11वीं की परीक्षाएं भी शुरू हो चुकी है। कक्षा 5वीं, 8वीं बोर्ड में कुल 46 हजार बच्चे शामिल हैं। इनमें 5वीं में करीब 22 हजार और आठवीं में 24 हजार छात्र के शामिल होंगे। 5वीं एवं 8वीं की परीक्षा बोर्ड परीक्षा से ठीक एक दिन पहले शुरू होंगी। फरवरी में परीक्षाओं का महाकुंभ होने के चलते शिक्षकों के लिए भी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से कराया जाना एक बड़ी चुनौती होगी। इसमें बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

इस साल 3 नये परीक्षा केन्द्र बनाये

शिक्षा विभाग द्वारा इस साल हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल की परीक्षाओं के लिए तीन नये परीक्षा केन्द्र बनये गये है। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 123 परीक्षा केन्द्र पुराने थे, जिसमें 3 नये परीक्षा केन्द्रों का शामिल किया गया है। कुल मिलाकर जिले में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल की बोर्ड परीक्षाओं के लिए 126 केन्द्र बनाये है। इन परीक्षा केन्द्रों में तीन नये राजेगांव खापा, भैंसदेही ब्लाक के धामनगांव और बैतूल विकासखंड के अंतर्गत कल्याणपुर को नया परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। फिलहाल हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल में कितने बच्चे शामिल होंगे, इसकी जानकारी माध्यमिक शिक्षा मंडल से जिला शिक्षा कार्यालय को अभी प्रेषित नहीं की गई है। वैसे सरकारी स्कूलों में कक्षा 10वीं के 20116 और कक्षा 12वीं में 14390 विद्यार्थी अध्ययनरत है।

इनका कहना....

परीक्षा की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है, बोर्ड परीक्षा में एक दर्जन संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केन्द्र बनाए गए है। उड़नदस्तों का भी गठन किया गया है। सोमवार से 11वीं की परीक्षा शुरू हो गई है। 5 फरवरी से 9वीं की परीक्षा होगी।

सुबोध शर्मा, योजना अधिकारी, जिला शिक्षा कार्यालय बैतूल

जिला किराड़ समाज महिला संगठन बैतूल द्वारा आयोजित हल्दी कुमकुम कार्यक्रम

बैतूल। बैतूल में जिला किराड़ समाज महिला संगठन द्वारा आयोजित हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम किराड भवन सदर बैतूल में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन की महिला अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला सिमैया ने की, जबकि महामंत्री श्रीमती प्रेमलता झपाटे जी ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री राम जी की स्तुति एवं दीप यज्ञ से किया गया। इसके बाद उपस्थित समस्त महिलाओं का सम्मान तिलक लगाकर एवं श्रृंगार सामग्री उपहार भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में कुर्सी दौड़ एवं गीत प्रतियोगिता जैसे उत्साहित कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिन्होंने कार्यक्रम को रंगीन बनाया। महिला संगठन का उद्देश्य है कि हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित करके महिला संगठन को जिले के हर ग्राम तक पहुंचाना है एवं मातृ शक्तियों को संगठित करना है।

इस वर्ष ग्राम परमंडल, बलेगांव, मुलताई, सर्रा एवं बैतूल में यह कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं और आने वाले दिनों में जिले के हर गांव में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वर्गीय श्रीमती मधुलिका गर्ग की स्मृति में आठवां निशुल्क कैंसर जागरूकता जांच एवं उपचार शिविर 8 फरवरी को सुबह 10बजे न्यू बैतूल स्कूल कोठी बाजार में आयोजित किये जाने सबंधी जानकारी दी गई , जिससे कैंसर रोग से पीड़ित व्यक्तियों के फ्री इलाज की जानकारी समाज तक पहुंच सके।

हल्दी कुमकुम में अखंड सौभाग्य की कामना के साथ लिया तंबाकू मुक्त जीवन का संकल्प

बैतूल। लिंक रोड स्थित आनंद मैरिज लॉन में कलचुरी कलार समाज द्वारा भव्य हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दो सौ से अधिक महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। समाज की वरिष्ठ महिलाओं के सम्मान के साथ नृत्य, गीत, नाटक और मेहंदी जैसी प्रतियोगिताओं ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, ममता मालवीय, रश्मि साहू, जिला कलार महिला समाज की जिलाध्यक्ष श्रीमती बिंदु के के मालवीय, नगर अध्यक्ष श्रीमती रिंकी आर्य, सचिव श्रीमती नीतू महोरे की उपस्थिति रही। इस दौरान कुमारी सावी कावरे और कुमारी रिद्धिमा मालवीय ने राष्ट्र समर्था रानी अहिल्याबाई पर नृत्य नाटक का मंचन किया। महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर पारंपरिक श्रृंगार सामग्री भेंट की

60 (प्लस) लालबाग समूह द्वारा सरस्वती पूजन

धार। मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस के शुभ अवसर पर 60+ लालबाग समूह के तत्वावधान में विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस, बसन्त पंचमी के पावन पर्व पर आयोजित मां सरस्वती का पूजन, अर्चन, आरती 60+ समूह लालबाग के सदस्यों द्वारा किया गया। पूजन कार्यक्रम पण्डित नन्द किशोर उपाध्याय ने सम्पन्न करवाया।इस अवसर पर समूह के अध्यक्ष श्री बबन अग्रवाल , महामंत्री श्री महेश माहेश्वरी, श्री श्याम अग्रवाल, डॉ.अनिल गंगवाल, श्रीमती गंगवाल, प्रखर पत्रकार श्रीमती श्वेता सोनी, श्री शैलेन्द्र तिवारी, श्री सुनिल जैन, श्री हरिप्रसाद मिश्र, श्री गणेश अग्रवाल, श्री राजेश भटेले, श्री हरिहर दत्त शुक्ला, श्री सुरेश पंवार , श्री गजेन्द्र चौहान, श्री रामदास अग्रवाल, श्री ओम अग्रवाल, श्री श्याम लाल शर्मा श्री मुकेश पिपलोदिया, कवि शरद जोशी 'शलभ' श्री नन्दकिशोर उपाध्याय उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत गोधना की ग्राम सभा में हुआ बड़ा फैसला

मां चंडी देवी दरबार में दुकान संचालकों से लिया जाएगा टैक्स

बैतूल। ग्राम पंचायत गोधना में हाल ही में ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के विकास और सुविधाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इस बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम पंचायत स्थित मां चंडी देवी दरबार में प्रत्येक रविवार और बुधवार को हाट बाजार लगाया जाएगा। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मंदिर में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि वे धार्मिक स्थल पर दर्शन के साथ-साथ आवश्यक वस्तुएं भी खरीद सकें। ग्राम सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि मां चंडी देवी दरबार में स्थापित कच्ची और पक्की दुकानों से टैक्स वसूला जाएगा। सरपंच संतोष चिक्का टेकाम ने बताया कि यह टैक्स पूरी तरह से मंदिर की सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उपयोग किया जाएगा। ग्राम पंचायत ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि हाट बाजार में दुकान लगाने वाले सभी दुकानदारों से टैक्स वसूलने का कार्य पंचायत द्वारा किया जाएगा। इस निर्णय के बाद लोगों का मानना है कि इस व्यवस्था से बाजार को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी और मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। ग्राम पंचायत ने यह भी आश्वासन दिया है कि टैक्स की राशि का सही उपयोग किया जाएगा और इससे मंदिर परिसर की स्वच्छता और जन सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।

कैंसर जनजागृति शिविर आज

बैतूल। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आज मंगलवार जिला अस्पताल में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सर्वाइकल कैंसर जनजागृति शिविर दोपहर 11 से 1 बजे तक का आयोजन किया गया है। इसमें महिला रोग विशेषज्ञ व प्रभारी डॉ.इशा डेनियल उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं रेडक्रॉस के जनरल सेक्रेटरी रामेंद्र सिंह का मार्गदर्शन भी मिलेगा। अवसर पर 190 चिन्हित बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन का द्वितीय डोज भी लगाया जाएगा। रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ.अरुण जयसिंहपुरे ने सभी से शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

मजदूर ने पिया कीटनाशक इलाज के दौरान मौत

बैतूल। एक युवक ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। युवक ने यह कदम किन कारणों से उठाया, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरवानी निवासी मुकेश उइके के परिजन शनिवार सुबह मजदूरी के लिए गए थे। जहां से वापस अकेले घर लौटे मुकेश ने कीटनाशक पी लिया। उल्टियां करने पर पड़ोसियों ने परिवार को सूचित किया। परिजन ने मुकेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आईसीयू में उपचार के दौरान रविवार रात में उसने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में घायल किसान ने तोड़ा दम

बैतूल। बैतूल के बरहापुर में 15 दिन पहले हुए सडक़ हादसे में घायल किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी थी, जिसमें तीन लोग घायल हुए थे। घटना भैंसदेही थाना क्षेत्र स्टेट हाइवे पर मच्छी गांव के पास हुई थी। इस हादसे में ध्यानराव (34) पिता महादेवराव के साथ उनके दो साथी गणेश और कैलाश भी घायल हुए थे।

राजस्व वसूली में प्रगति लाएं : प्रभारी कलेक्टर

लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का समय पर निराकरण किया जाए

बैतूल। सभी राजस्व अधिकारी अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप बकायादारों से राजस्व वसूली सुनिश्चित कराएं। यह निर्देश सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने दिए। उन्होंने बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति की अनुविभाग एवं तहसीलदार समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि व्यवस्थित कार्य योजना बनाकर वसूली के लक्ष्य को पूर्ण कराएं। उन्होंने अपर कलेक्टर बैतूल को वसूली की प्रगति की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार खसरा लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री के प्रकरणों में का भी गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि पटवारी स्तर पर निरंतर समीक्षा कर आधार खसरा लिंकिंग और फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति लाएं। लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों की भी समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रकरणों के निराकरण में समय सीमा का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि समय सीमा में प्रकरण नहीं निराकरण होने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री जैन ने सभी एसडीएम एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र में प्राथमिकता से इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के लिए स्टेशन और गीता भवन के लिए उपयुक्त स्थल चिन्हित कर शीघ्र जानकारी भेजें ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सकें।

उन्होंने डीएमएफ मद से होने वाले स्वास्थ्य अधोसंरचना निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पोर्टल पर दूसरी फोटो अपलोड की कार्यवाही में भी प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को जिला अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर के प्रति टीकाकरण किया जायेगा। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से समन्वय कर बच्चों के टीकाकरण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

जल संकट से बचने के लिए आद्र भूमि का संरक्षण जरूरी

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में 400 विद्यार्थियों ने सुनी विशेषज्ञों की बातें

बैतूल। आद्र भूमि यानी वेटलैंड्स के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए जयंती हक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैतूल में विश्व आर्द्रभूमि दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन, सतपुड़ा भवन, भोपाल के आदेश के तहत महाविद्यालय के इको क्लब के तत्वावधान में हुआ। इसमें 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान प्रमुख वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी श्रीपाद निर्गुडक़र, प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनीता सोनी, विशेष अतिथि डॉ. पंजाबराव सोनारे, डॉ. सुखदेव डोंगरे और वनस्पति विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर अर्चना सोनारे ने आद्र भूमि के महत्व और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए।

महाकुंभ प्रयागराज में झलकी बैतूल की कोरकू संस्कृति

मध्यप्रदेश मंडप में आदिवासी लोककला ने मोहा मन

बैतूल। प्रयागराज महाकुंभ में मध्यप्रदेश मंडप के सेक्टर सात में 31 जनवरी से 2 फरवरी तक बैतूल जिले की कोरकू जनजातीय संस्कृति के पारंपरिक गडली-सुसुन नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति हुई। तीन दिवसीय इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने आदिवासी लोककला की इस अनुपम छटा को सराहा। बैतूल जिले से आई सांस्कृतिक टीम के नेतृत्वकर्ता कोरकू संस्कृति गडली-सुसुन नृत्य विशेषज्ञ महादेव बेठे कोरकू रहे, जबकि आयोजन में प्रमुख सहयोग और मार्गदर्शन प्रसिद्ध रंगमंच कलाकार सोनू कुशवाहा का रहा। संस्कृति मंत्रालय भोपाल के निर्देशन में आयोजित इस प्रस्तुति के लिए मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय कला अकादमी के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र पारे के नेतृत्व में विशेष रूप से कोरकू संस्कृति को बढ़ावा देने की पहल की गई। महादेव बेठे कोरकू ने कहा कि 144 वर्षों बाद होने वाले इस ऐतिहासिक महाकुंभ में मध्यप्रदेश मंडप के मंच पर बैतूल की कोरकू जनजातीय संस्कृति को प्रस्तुत करना एक गौरवशाली क्षण है। उन्होंने कहा कि कोरकू संस्कृति और नृत्य को संरक्षित रखना और बढ़ावा देना उनके जीवन का ध्येय है। कोरकू जनजातीय समुदाय के पारंपरिक नृत्य गडली-सुसुन में पुरुषों द्वारा किए जाने वाले नृत्य को सुसुन और महिलाओं द्वारा किए जाने वाले नृत्य को गडली कहा जाता है।

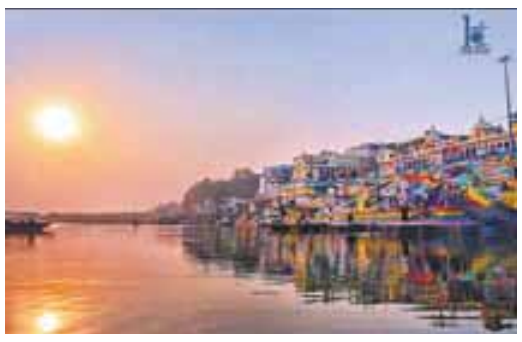

आज नर्मदा जयंती है..

नर्मदापुरम ।नगर में आज मां नर्मदा का जन्मोत्सव व्यापक और धूमधाम से मनाया जायेगा, प्रशासनिक स्तर से इसकी व्यापक तैयारियां की जा चुकी है। नर्मदा का प्रसिद्ध घाट आज मां की स्तुति करने वाले सभी आगंतुकों की अगवानी और उनके सत्कार के लिए सज-धजकर तैयार है। प्रशासनिक स्तर पर मनाई जाने वाली दो दिवसीय जंयती पर्व में अब जन सहयोग की भागीदारी सीमित होकर राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से जयंती पर्व प्रारंभ करने वाले प्रणेता संत राधे बाबा और प्रेरणा स्रोत ज्ञानी मस्ते अब पूरी तरह भुला दिए गए, नर्मदा जयंती मंच पर राजनैतिकों की भीड़ ने अब यहां नगर विकास की धारा ही बदल दी, जंयती का उद्देश्य बदल गया, सरकारी पैसों से मनाई जाने वाली जयंती का उद्देश्य अखबार और राजनैतिकों के बीच सिमट गया, नर्मदा प्रदूषित होना नहीं रुक पाई नर्मदा के कारण ही धार्मिक नगर घोषित नर्मदापुरम में नर्मदा परिक्रमा पर आने वाले भक्तों के लिए स्थाई कोई विश्राम स्थल की व्यवस्था नहीं, बस ठहराव की स्थाई जगह नही, नर्मदा जयंती उत्सव समिति आयोजकों द्वारा फिर नर्मदा में मिल रहे नाले को बंद करने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं किया जाना लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रही, सरकारी नर्मदा जयंती आयोजन अब तो केवल और केवल राजनीतिकों का अखाड़ा सरकारी पैसों का अपव्यय साथ ही जलमंच पर पहुंचने की होड़ जिसमें स्वाभिमान का प्रतीक बन चुका..।

तो क्या मृत्युपरांत श्रम कार्ड जारी किया जा सकता हैं..?

नर्मदापुरम ।मृत्युपरांत किसी श्रमिक का आखिर श्रम कार्ड कैसे जारी किया जा सकता है..? आश्चर्य का विषय नहीं बल्कि खोज का विषय है पर मुख्यालय पर ऐसा हुआ है कि श्रम अधिकारी ने मृत हो चुके श्रमिक का एक वर्ष बाद श्रम कार्ड बनाया फिर उस आधार पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने मृत श्रमिक की पत्नी को दो लाख की सरकारी सहायता देकर शासकीय धन का दुरुपयोग किया है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 137 में शासकीय धन का दुरुपयोग करने की फिर एक नई कड़ी विधायक के खाते में जुड़ गई। आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष सीताशरण पाण्डेय आरटीआई विंग ने आयुक्त नगरीय प्रशासन भोपाल सहित लोकायुक्त को दस्तावेजी शिकायत प्रेषित की है।जिसमें उन्होंने विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के संरक्षण में मुख्य नगरपालिका अधिकारी और सहायक श्रम अधिकारी की मिली भगत से शासकीय धन के दुरुपयोग किया जाने पर वैधानिक कार्रवाई करने हेतु मांग की है। साथ ही चेताया है कि तीस दिन में यदि इनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो वे सक्षम उच्च न्यायालय के पटल पर जाने के लिए बाध्य होंगे। श्री पाण्डेय ने पत्र में लिखा है कि विधायक सीतासरन शर्मा के संरक्षण में श्रम अधिकारी वर्षा इरपाचे द्वारा कमल केवट आत्मज भूरालाल केवट शास्त्री वार्ड नंबर एक जिसकी मृत्यु 10 अक्टूबर 2023 में हो चुकी उसका श्रम कार्ड 27 सितम्बर 2024 में जारी किया है..! जिसे आधार बनाकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने मृतक कमल केवट की पत्नी चिटों बाई को शासन की ओर से दो लाख रुपए का आवेदन पत्र 9 मार्च 2024 को पंजीयन कराकर 12 मार्च 2024 में भुगतान कर शासकीय धन का दुरुपयोग किया है।

कायाकल्प योजना की राशि का दुरुपयोग

नर्मदापुरम। कायाकल्प योजना की राशि का दुरुपयोग और व्यक्तिगत लाभ पहुंचाने को लेकर आज नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे अनोखेलाल राजौरिया ने आयुक्त नगरीय प्रशासन को शिकायत भेजते हुए इसकी जांच की मांग? की है। शिकायत में बताया गया है कि वार्ड नं 32 में सीसी रोड निर्माण की स्वीकृति नगरपालिका द्वारा कराई जाकर सड़क निर्माण कार्य करा लिया है। जो भोपाल मेन रोड़ से होकर एक फार्म से व्यक्तिगत लाभ देने के लिए बनाई गई है। सड़क के दोनों ओर जबकि मकान और आबादी नहीं है जो फार्म हाउस के मेन गेट तक बनाई गई है। जबकि शासकीय मद की राशि का उपयोग एवं अधिकतम जनसंख्या के द्वारा उपयोग की जाने वाली सड़क निर्माण में किया जाना चाहिए।

आईपीएल सट्टेबाजी आत्महत्या के मामले में 8 पर प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम। हाउसिंग बोर्ड निवासी अमित दीवान पिता देव नारायण दीवान उम्र 33 साल ने एक दिन पहले बाबई रोड स्थित यशराज होटल में सुसाइड किया था ।मृतक ने सुसाइड नोट छोडा था आत्महत्या करने का वजह आईपीएल सट्टेबाजी से संबंधी थी उसमें आठ लोगों का नाम लिखा था कि इनके द्वारा पैसे वापसी को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता है।

46वीं सीनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल मध्य प्रदेश की टीम में चार खिलाड़ी और कोच का चयन

नर्मदापुरम।46 वी सीनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला वर्ग जो की 4 से 7 फरवरी 2025 को भोपाल के ओल्ड चैंपियन ग्राउंड अरेरा कॉलोनी में आयोजित हो रही है उसमें नर्मदा महाविद्यालय

के बालक वर्ग से सत्यम शर्मा , संदीप बारस्कर एवं बालिका वर्ग से सिल्वी नागर नितिशा भल्लावी का चयन मध्य प्रदेश थ्रोबॉल टीम में हुआ ह। नर्मदा महाविद्यालय की कोच स्नेहा दुबे का भी मध्य प्रदेश की महिला टीम में कोच के रूप में नियुक्ति हुई है । यह जानकारी मध्य प्रदेश थ्रोबॉल संघ के सचिव अविनाश भूरभूरे ने दी । इस अवसर पर नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्री राम चौकसे , कीड़ा प्रभारी डॉ. महेश मानकर कीड़ा अधिकारी डॉ. तरुण रावत एवं नर्मदापुरम थ्रोबाल संघ जिलाध्यक्ष रोहित गौर ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया/ कोच स्नेहा दुबे की अगवानी में मंगलवार को मध्य प्रदेश टीम भोपाल अरेरा कॉलोनी पर इस थ्रोबाल खेल के महाकुंभ में सम्मिलित होगी ।

जी.आई.एस-2025

भोपाल को औद्योगिक राजधानी के रूप में मिलेगी नई पहचान : मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण बनेगी। पहली बार राजधानी भोपाल में हो रहे इस आयोजन को लेकर यह न सिर्फ एक निवेश सम्मेलन है, अपितु भोपाल को औद्योगिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजधानी के पास पहले से ही औद्योगिक विकास के लिए मजबूत आधार मौजूद है। जीआईएस-2025 से भोपाल का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ेगा।

भोपाल न केवल मध्यप्रदेश का प्रशासनिक केंद्र है, बल्कि भौगोलिक रूप से भी एक आदर्श औद्योगिक हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। यह प्रदेश के केंद्र में स्थित है, जिससे लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला के लिए यह एक महत्वपूर्ण स्थान है। भोपाल के चारों ओर कई प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र पहले से विकसित हैं, जो इस समिट के माध्यम से नए निवेश को आकर्षित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मंडीदीप, बगरोदा, पीलुखेड़ी, मक्सी, गोविंदपुरा, अचारपुरा और फंदा औद्योगिक क्षेत्र न केवल छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यहां स्थापित इकाइयां प्रदेश की औद्योगिक शक्ति को मजबूती भी देती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक बुनियादी ढांचे के व्यापक विकास पर काम कर रही है और भोपाल में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। राजधानी के पास पहले से ही सुपर कॉरिडोर, आईटी पार्क और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर जैसी परियोजनाएं चल रही हैं, जो इसे निवेशकों के लिए एक पसंदीदा स्थान बना रही हैं। इसके अलावा, भोपाल में उत्कृष्ट शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों की उपस्थिति इसे कुशल मानव संसाधन का केंद्र भी बनाती हैं, जो औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक है।जीआईएस-2025 में इस बार एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सेक्टर-विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें निवेशकों को उनके क्षेत्र के अनुसार सीधे संबंधित विभागों के साथ संवाद करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह समिट पहली बार 20 से अधिक निवेश और उद्योग नीतियों को प्रस्तुत करने जा रही है, जो देश में अपनी तरह की अनूठी पहल होगी। सरकार ने निवेश प्रक्रिया को तेज़ और सुगम बनाने के लिए नीति सुधार, अनुकूल औद्योगिक वातावरण और व्यापार सुगमता पर विशेष ध्यान दिया है।भोपाल की औद्योगिक क्षमता को सशक्त करने के लिए सरकार बुनियादी सुविधाओं को भी लगातार विस्तार दे रही है। राजधानी से जुड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग, आधुनिक लॉजिस्टिक्स सेंटर, एयर कनेक्टिविटी और रेल नेटवर्क के विस्तार से यह औद्योगिक दृष्टि से और भी अधिक प्रभावी बन रहा है। हाल ही में रीवा हवाई अड्डे के शुरू होने से प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को और मजबूती मिली है, जिससे उद्योगों को तेज़ी से अपने बाजारों तक पहुंचने में सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस-2025 केवल बड़े निवेशकों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय उद्योगों, स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई के लिए भी नए अवसर लेकर आएगी। भोपाल के पास स्थित परंपरागत उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने और उन्हें नई तकनीक व पूंजी से सशक्त करने की दिशा में भी यह समिट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस-2025 के बाद भोपाल केवल मध्यप्रदेश का प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, अपितु यह व्यवसाय, नवाचार और निवेश के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरेगा। साथ ही भोपाल को एक औद्योगिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक कदम होगा, जो प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

उत्कृष्ट शिक्षा के लिये प्रधानाचार्य दलजीत कौर सम्मानित

भोपाल (नप्र)। द यूनिटी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा बसंत पंचमी पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरकारी स्कूल अरेडी क्रेशर की प्रधानाचार्या श्रीमती दलजीत कौर को उत्कृष्ट शिक्षा में योगदान के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों ने नृत्य, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और उत्साहपूर्वक पर्व मनाया। फाउंडेशन द्वारा बच्चों को पाठ्य सामग्री व पुरस्कार वितरित किए गए तथा शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती प्रिया शर्मा एवं सदस्य सरोज पांडेय, मंजू सिंह, रेखा शर्मा, जयश्री शुक्ला, नेहा कश्यप उपस्थित रहे। साथ ही मयंक कश्यप, सत्य कबीर ग्रुप के डायरेक्टर हरिओम सरण, शुभम, तथा ऑनकोरैड हेल्थकेयर के डायरेक्टर शंकर पांडेय ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अध्यक्ष श्रीमती प्रिया शर्मा ने बताया कि फाउंडेशन बच्चों की शिक्षा, आदिवासी कल्याण, उनके विकास तथा कैंसर रोगियों की सहायता व उचित इलाज के लिए कार्य करता है। यह कार्यक्रम समाज में शिक्षा और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल रहा।

एम्स की नियोनेटोलॉजी टीम ने समय से पहले जन्मे बच्चे की जान बचाई

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान की नियोनेटोलॉजी टीम ने समय से पहले जन्मे एक बच्चे की जान बचाने में सफलता हासिल की। यह बच्चा गर्भावस्था के सातवें महीने में जन्मा था और उसका वजन केवल 700 ग्राम था। इस नवजात को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन अस्पताल के नवजात गहन देखभाल इकाई में दी गई उन्नत चिकित्सा देखभाल की वजह से बच्चा अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गया है।

तीन महीने बाद, बच्चा 2 किलोग्राम वजन के साथ घर भेजा गया और अब उसकी नियमित जांच की जा रही है। बच्चे के माता-पिता ने एम्स भोपाल की टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस अस्पताल में उन्हें बिना किसी खर्चे के उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा मिली। एनआईसीयू में बच्चों को देखभाल के लिए विशेष उपकरण और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की जरूरत होती है।

अंशकालीन एवं ग्राम पंचायत कर्मियों की वेतन वृद्धि को लेकर कमलनाथ ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल (नप्र)। अंशकालीन एवं ग्राम पंचायत कर्मी लंबे समय से वेतनवृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। वहीं पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन की वैधानिक रूकावटें दूर हो जाने के बाद भी आदेश निकालने में हो रही देरी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर एरियर सहित न्यूनतम वेतन भुगतान के आदेश जारी करने एवं अंशकालीन तथा ग्राम पंचायतों के चौकीदार, भृत्य पंप आपरेटर्स के वेतन बढाए जाने हेतु लिखा है। पत्र के माध्यम से मप्र कांग्रेस आउटसोर्स प्रकोष्ठ के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा द्वारा इन वर्गों के लिये की गई मांगों का ज्ञापन भी मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया है।

एम्स भोपाल में उन्नत थौरैकोस्कोपिक तकनीक द्वारा खाद्य नली से डेन्चर नकली दांत को सफलतापूर्वक निकाला गया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और कार्डियोथोरैसिक सर्जरी विभागों की एक बहु-विशेषज्ञ टीम ने एक वृद्ध रोगी की खाद्य नली में दुर्घटनावश फिसल गए डेन्चर (नकली दांत) को सफलतापूर्वक निकाला। यह जटिल और नाजुक प्रक्रिया उन्नत थौरैकोस्कोपिक (वीएटीएस) तकनीक का उपयोग करके की गई, जिससे पारंपरिक ओपन-चेस्ट सर्जरी से बचा जा सका। इस रोगी को बेहोशी के कुछ दौरे पड़े थे। शुरू में इसे मिर्गी के कारण माना गया था लेकिन बाद में पता चला कि यह हृदय की समस्या के कारण था जिसके लिए हाल ही में पेसमेकर लगाया गया था।

मध्य प्रदेश के लिए रेल बजट 2025-26 में ऐतिहासिक सौगातें

भोपाल। रेल मंत्री के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश के लिए घोषित रेल बजट 2025-26 में राज्य को रेल अवसंरचना के विकास के लिए अभूतपूर्व सौगातें दी गई हैं। इस बजट में 14,745 करोड़ का भारी भरकम बजटीय आवंटन किया गया है, जो राज्य के रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रेल बजट 2025-26 के तहत राज्य में 31 नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 5,869 किलोमीटर है और इन पर 1,04,987 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी और यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य प्रदेश के

80 स्टेशनों को 'अमृत स्टेशन' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिन पर कुल 2,708 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

इन स्टेशनों में अकौड़िया, आमला, अनुपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बनापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बैतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, ब्यावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दमोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासोदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुरवारा, कटनी साउथ, खाचरोद, खजुराहो जंक्शन, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी जंक्शन, मंडला फोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जंक्शन, नैनीपुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, नेपनागर, नीमच, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रुथियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, श्यामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा और विक्रमगढ़ आलोट जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

एम्स के रेजिडेंट डॉक्टरों-छात्रों ने उत्साह से मनाया बसंत पंचमी

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) और स्टूडेंट काउंसिल ने आयुष भवन में भव्य बसंत पंचमी समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में लगभग 200 रेजिडेंट डॉक्टर, एमबीबीएस छात्रों और नर्सिंग छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस समारोह का मुख्य आकर्षण मां सरस्वती पूजन था, जो श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। छात्रों और चिकित्सा कर्मचारियों ने ज्ञान, कला और शिक्षा की देवी मां सरस्वती की आराधना की, जिससे पूरे परिसर में आध्यात्मिकता और आनंद का वातावरण बन गया। यह कार्यक्रम अकादमिक समर्पण और सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर संगम प्रस्तुत करता है। प्रोफेसर सिंह ने सभी को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और संस्थान में अकादमिक और सांस्कृतिक एकता को प्रोत्साहित करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने छात्रों और रेजिडेंट्स को प्रोफेशनल उत्कृष्टता और सांस्कृतिक सहभागिता के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश में विकसित हो रहा है फ्यूचर रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर : मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को मूर्त रूप दिए जाने के उद्देश्य से प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में फ्यूचर रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है, जिससे यहां अधिक से अधिक निवेश आएं, उद्योग धंधे स्थापित हों और बड़ी संख्या में रोजगार सृजित हो। मध्यप्रदेश में रेल, सड़क और हवाई सेवाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य के आंतरिक मार्गों के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का भी विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के शहरों में सड़क यातायात के सुधार के लिए इंदौर, भोपाल, देवास, ग्वालियर, जबलपुर और सतना में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। इनमें से इंदौर एलिवेटेड कॉरिडोर पर 350 करोड़, ग्वालियर में 1100 करोड़, जबलपुर में 660 करोड़ और भोपाल में 306 करोड़ रुपए की लागत आएगी। साथ ही राज्य सरकार ने 724 किमी लंबी 24 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया है, जिनकी कुल लागत 10 हजार करोड़ रूपये है।

ये परियोजनाएं प्रदेश के शहरों की रोड-कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगी, यात्रा समय को कम करेंगी और व्यापार को बढ़ावा देंगी।

मध्यप्रदेश, देश की सांस्कृतिक एकता का संवाहक है : डॉ. यादव

अन्तर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन यात्रा पर आये पूर्वोत्तर के छात्रों का प्रदेश में हुआ आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री से मिले राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025 पर आए विद्यार्थी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्वोत्तर राज्यों से भारत एकात्मता यात्रा पर आए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी देश की एकता और अखंडता को दर्शाता है। उन्होंने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रप्रेम की भावना को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को इस विविधता का सम्मान करने और भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की संस्कृति अपनी अनूठी विविधता और समृद्ध परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां विभिन्न प्रांतों, वर्गों और भाषाओं के लोग सौहार्दपूर्वक निवास करते हैं। मध्यप्रदेश, देश के उस गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का संवाहक है, जो देशभक्ति, राष्ट्र रक्षा और सम्मान के मूल्यों को संजोकर रखता है।

स्टूडेंट एक्सपीरियंस इन इन्टर-स्टेट लिविंग द्वारा सांस्कृतिक आदान-प्रदान की मंशा से आयोजित राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा -2025 पर आये पूर्वोत्तर राज्यों के छात्र दल का मध्यप्रदेश में आत्मीय स्वागत किया गया। यह यात्रा 22 जनवरी से प्रारंभ होकर 13 फरवरी तक जारी है, इसमें पूर्वोत्तर के विद्यार्थी देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों के विद्यार्थियों का यह दल 1 से 5 फरवरी तक मध्यप्रदेश के भ्रमण पर है। इस छात्र दल ने सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के अनुभव सुने, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें मध्यप्रदेश की सदभाव और समरसता से भरपूर संस्कृति से परिचित कराया। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों का देश का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी। भोपाल अपनी झीलों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यह देश की ऐसी अनूठी राजधानी है, जहां रात के समय बाघ भी सड़क किनारे दिखाई दे सकते हैं, क्योंकि रातापानी वन अभयारण्य भोपाल शहर के समीप ही स्थित है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को जनजातीय संग्रहालय, मानव संग्रहालय, वन विहार और अन्य पर्यटन स्थल जरूर देखने का सुझाव दिया।मुख्यमंत्री के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाने के बाद विद्यार्थियों ने इस यात्रा को अपने जीवन का एक अविस्मरणीय अनुभव बताया। विद्यार्थियों ने कहा कि वे पहली बार किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिले हैं। यह रोमांच वे कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, यहां के ऐतिहासिक स्थलों और अतिथि-सत्कार की विशेष रूप से सराहना की।

अन्तर्राज्यीय छात्र दर्शन जीवन यात्रा के आयोजन का उद्देश्य राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करना है, जिसमें युवाओं को देश की विविधता से परिचित कराने का विशेष प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा भारतीय युवाओं को एकजुट करने और उनके बीच आपसी समझ एवं भाईचारे की भावना को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पूर्वोत्तर राज्यों के इस छात्र दल में 28 विद्यार्थी एवं 2 समन्वयकों सहित कुल 30 प्रतिभागी भारत के विभिन्न राज्यों की यात्रा पर हैं। इनमें दो-दो विद्यार्थी असम, नागालैंड व सिक्किम राज्य से, चार-चार त्रिपुरा, मिजोरम व अरुणाचल प्रदेश से तथा पांच-पांच विद्यार्थी मणिपुर एवं मेघालय राज्य से आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विद्यार्थियों एवं समन्वयकों को स्मृति-चिह्न के रूप में शॉल, मध्यप्रदेश शासन की डायरी, कैलेंडर और एक विशेष उपहार भेंट किया। कार्यक्रम में श्री शिवम जाट, श्री चेतस सुखाड़िया, श्री रोहित दुबे, श्री दीपक पालीवाल, श्री कमन सिबोह, श्री राहुल मोग सहित अन्य विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित थे।

॥ मंदिरम् ॥ 28

कामाक्षी अम्मन मंदिर, तमिलनाडु

कामाक्षी अम्मन मंदिर तमिलनाडु राज्य में चेन्नई के पास कांचीपुरम में स्थित है और शहर के सबसे ऐतिहासिक मंदिरों में से एक है। शक्तिदेवी कामाक्षी का प्रमुख रूप है। यह मंदिर सिद्ध पीठ मंदिरों में से एक है। कांची में देवी के निवास को 'नबिस्थान ओट्टियाना पीठम' के नाम से जाना जाता है। देवी का नाम श्री कामाक्षी है। शब्द 'अक्षि' दो शब्दों से बना है, 'का' जिसका अर्थ है 'शिक्षा का देवता', 'मा' जिसका अर्थ है 'धन का देवता', और 'अक्षि' जिसका अर्थ है 'आँख'। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, देवी कांची में देवी सरस्वती और देवी लक्ष्मी के साथ उनकी दो आँखें हैं। कविता ललिता सहस्रनाम देवी की शक्ति का एक उदाहरण है। तिरुकलावनूर दिव्य देशम, भगवान विष्णु के वराह रूप को समर्पित एक मंदिर है जिसकी प्रशंसा 7वीं-10वीं शताब्दी के अलवर (तमिल संत कवि) ने की थी, यह कामाक्षी अम्मन के मंदिर में गर्भगृह के पास स्थित है। पश्चिम की ओर स्थित मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था, और वर्तमान में देवता कामाक्षी अम्मन मंदिर में विराजमान हैं। विमान के ऊपर मंदिर हैं।

छात्रों संग मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025 में पूर्वोत्तर से आए विद्यार्थियों के साथ मुख्यमंत्री निवास में ग्रुप फोटो क्लिक करवाई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जापान यात्रा से लौटने पर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सीएम हाउस स्थित समत्व भवन में पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत-अभिवादन किया।

चित्रकूट के विकास को मिलेगी रफ्तार

श्रीराम के वनवास धाम में अब राज्य प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों का होगा दखल

भोपाल (नप्र)। भगवान राम की तपस्थली चित्रकूट को अब तहसील और राजस्व अनुविभाग का दर्जा दिया जाएगा। यहां तहसीलदार और एसडीएम की नियुक्ति होगी, जिससे प्रशासनिक कामकाज सुगमता से होगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

सरकार चित्रकूट को अयोध्या की तरह विकसित करने पर ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य से आठ महीने पहले चित्रकूट विकास प्राधिकरण का गठन किया गया था। जल्द ही यहां एक अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी को सीईओ पद पर नियुक्त किया जाएगा।

मोहन यादव कैबिनेट ने 14 मार्च 2024 को इस प्राधिकरण के गठन को मंजूरी दी थी और जून 2024 से इसके कार्यों में तेजी लाने का फैसला हुआ। फिलहाल, सतना के अपर कलेक्टर को सीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, लेकिन जल्द ही यहां स्थायी अधिकारी की नियुक्ति होगी।

ऐसा होगा प्रस्तावित राजस्व अनुविभाग चित्रकूट का सीमा क्षेत्र- राजस्व विभाग द्वारा चित्रकूट राजस्व अनुविभाग का जो खाका खींचकर दावे आपत्ति मांगे गए हैं, उसके अनुसार वर्तमान तहसील मझगवां के राजस्व निरीक्षक मंडल एक चित्रकूट के 9 पटवारी हल्के, बरौंधा राजस्व निरीक्षक मंडल के 25 पटवारी हल्के समेत कुल 34 पटवारी हल्के शामिल किए जाएंगे। इसके बाद मझगवां राजस्व अनुविभाग में मझगवां तहसील के 21 पटवारी हल्के और बिरसिंहपुर तहसील के 48 पटवारी हल्के समेत कुल 69 पटवारी हल्के शामिल होंगे।

मझगवां तहसील में इसके बाद उत्तर दिशा में उत्तर प्रदेश और प्रस्तावित चित्रकूट तहसील, दक्षिण में रघु राजनगर, कोटर और रामपुर बघेलान तहसील, पूर्व में उत्तर प्रदेश और रीवा जिले की सेमरिया तहसील तथा पश्चिम में पन्ना जिले की पन्ना और सतना की नागौद तहसील होंगी।

चित्रकूट तहसील गठन की प्रक्रिया जारी, फाइनल नोटिफिकेशन बाकी

चित्रकूट को तहसील बनाने के लिए राजस्व विभाग ने पिछले साल दावे और आपत्तियां मंगवाई थीं, लेकिन अभी तक इसका फाइनल नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ है। प्रस्तावित चित्रकूट तहसील में 111 गांव शामिल किए जाने हैं, जो 34 पटवारी हल्कों के अंतर्गत आते हैं। इनमें चित्रकूट राजस्व निरीक्षक मंडल के 9 और बरौंधा राजस्व निरीक्षक मंडल के 25 पटवारी हल्के शामिल हैं। अब तक चित्रकूट, मझगवां तहसील के अधीन था, लेकिन नई तहसील बनने के बाद मझगवां में 101 गांव ही शेष रह जाएंगे। प्रस्तावित चित्रकूट तहसील उत्तर में उत्तर प्रदेश, दक्षिण में मझगवां तहसील और पन्ना जिले से सटेगी। पूर्व में मझगवां तहसील और यूपी की सीमा होगी, जबकि पश्चिम में यूपी और पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील आएगी।

प्राइवेट कॉलेजों का वेरिफिकेशन कराएगी राज्य सरकार

सात दिन में मांगी रिपोर्ट ; मुरैना में फर्जी कॉलेज के खुलासे के बाद फैसला

भोपाल (नप्र)। मुरैना जिले के झुंडपुरा में फर्जी कॉलेज का खुलासा होने के बाद सरकार अलर्ट दिख रही है। अब उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित प्राइवेट कॉलेजों का फिजिकल वेरिफिकेशन कराया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए प्रदेश के सभी अग्रणी शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश जारी कर सात दिन में रिपोर्ट देने को कहा है।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रदेश के सभी जिलों को यह रिपोर्ट देनी है कि उनके जिले में पहले से संचालित और प्रस्तावित नए प्राइवेट कॉलेजों का फिजिकल वेरिफिकेशन के बाद क्या स्थिति है। इसके लिए हर जिले में शासकीय महाविद्यालय के दो नियमित शिक्षकों की समिति का गठन कर निरीक्षण कराया जाएगा। निरीक्षण दल की रिपोर्ट अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को सौंपनी होगी।

अग्रणी महाविद्यालयों से यह रिपोर्ट सात दिन में सौंपने को कहा गया है ताकि शासन द्वारा ऐसे कालेजों को एनओसी जारी किए जाने के मामले में फैसला लिया जा सके।

कॉलेज बिल्डिंग की जानकारी देनी होगी- निरीक्षण दल को यह देखना होगा कि महाविद्यालय का संचालन खुद के भवन, किराए के भवन या लीज पर लिए भवन में हो रहा है। समिति को उपलब्ध कुल भूमि (एकड़ में), खसरा नंबर और भूमि डायवर्जन की जानकारी देनी होगी। कॉलेज परिसर में मौजूद भवनों की संख्या, उनके क्षेत्रफल और कुल निर्मित क्षेत्रफल का विवरण भी देना होगा।

जांच में प्राचार्य कक्ष, व्याख्यान कक्ष, कार्यालय, स्टाफ कक्ष, पुस्तकालय, एनसीसी, एनएसएस कक्ष, छात्राओं के लिए कॉमन रूम, प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर कक्ष, खेल मैदान और पार्किंग क्षेत्र की व्यवस्था का ब्यौरा देना आवश्यक होगा।

स्टूडेंट्स की डिटेल भी बताना होगी- इंस्पेक्शन टीम को कॉलेज में कुल विद्यार्थियों की संख्या (छात्र-छात्राओं की अलग-अलग), नियुक्त शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ की जानकारी भी जुटानी होगी। साथ ही प्राइवेट कॉलेज खोलने या नए सिलेबस शुरू करने के लिए एनओसी की स्थिति भी जांचनी होगी। टीम यह भी बताएगी कि अध्ययन और अध्यापन के लिए पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं।

यह जानकारी भी देना होगी रिपोर्ट में

- प्राइवेट कॉलेज का नाम और कोड क्रमांक
- स्थापना वर्ष, ईमेल आईडी और टेलीफोन नंबर
- संचालन स्थल का पूरा पता और पिनकोड
- संचालन समिति, ट्रस्ट या कंपनी का नाम
- छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग वॉशरूम और दिव्यांगजनों के लिए रैंप की व्यवस्था

शिवशक्ति नाम से चल रहा था मुरैना में फर्जी कालेज

पिछले माह मुरैना जिले के झुंडपुरा में एक फर्जी कॉलेज का मामला सामने आया था। ईओडब्ल्यू की जांच के बाद उच्च शिक्षा विभाग ने जनवरी 2025 में इस कॉलेज की मान्यता निरस्त कर दी। शिवशक्ति कॉलेज कागजों पर हर साल संबद्धता प्राप्त कर रहा था, जबकि झुंडपुरा में इसका कोई अस्तित्व नहीं है।

शिकायतकर्ता डॉ. अरुण शर्मा ने खुलासा किया कि उन्हें इस फर्जी कॉलेज का प्राचार्य बताया गया था, जबकि उन्होंने कभी इस संस्थान को देखा ही नहीं। इस मामले में जीवाजी विश्वविद्यालय, राजस्थान के बांसवाड़ा विश्वविद्यालय के कुलपति समेत 17 प्रोफेसरों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

नंदकिशोर, अरविंदाक्षन व पार्वती को विष्णु खरे कविता सम्मान

भोपाल। वनमाली सृजनपीठ द्वारा वनमाली जी के शिष्य एवं प्रखर कवि, आलोचक, अनुवादक, पत्रकार तथा विष्णु खरे की स्मृति में राष्ट्रीय कविता सम्मानों की घोषणा की गई है। वनमाली सृजनपीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष चौबे ने विष्णु खरे कविता सम्मान-2025 की घोषणा करते हुए बताया कि विष्णु खरे कविता सम्मान के अंतर्गत चार अलग-अलग श्रेणियों में रचनाकारों को सम्मानित किया जायेगा। विष्णु खरे आलोचना सम्मान से वरिष्ठ आलोचक, कवि, अनुवादक नंदकिशोर आचार्य (बीकानेर), विष्णु खरे अनुवाद सम्मान से वरिष्ठ अनुवादक ए. अरविंदाक्षन (केरल), विष्णु खरे कविता सम्मान से सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, अनुवादक एवं आलोचक लीलाधर मंडलोई (नई दिल्ली) तथा विष्णु खरे युवा कविता सम्मान से युवा कवियत्री सुश्री पार्वती तिर्की (झारखंड) को सम्मानित किया जायेगा।

कविता सम्मान समारोह 19 से 21 फरवरी-2025 को भोपाल में आयोजित किया जायेगा। 19 एवं 20 फरवरी, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 'कथा समय' का एवं 21 फरवरी को विष्णु खरे कविता सम्मान का आयोजन स्कोप विश्वविद्यालय भोपाल के वनमाली सभागार में किया जायेगा। सम्मान समारोह में विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी (मॉरीशस) विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। समारोह में पुरस्कृत रचनाकारों के साथ देश के ख्यात साहित्यकार ममता कालिया (नई दिल्ली), अरुण कमल (पटना), अखिलेश (लखनऊ), ओमा शर्मा (मुंबई), मनीषा कुलश्रेष्ठ (जयपुर), महेश दर्पण, प्रकाश मनु, देवी प्रसाद मिश्र (नई दिल्ली), नीलेश रघुवंशी, मुकेश वर्मा, संतोष चौबे (भोपाल), महेश वर्मा, रामकुमार तिवारी (छत्तीसगढ़) तथा 100 से अधिक वनमाली सृजन केन्द्रों के संयोजक भाग लेंगे। भोपाल तथा मध्यप्रदेश के भी अनेक साहित्यकार विभिन्न सत्रों में उपस्थित रहेंगे।

विधायक के भाई ने बेटे की हत्या की

उज्जैन में जमीन विवाद को लेकर मारी दो गोली

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में भाजपा विधायक सतीश मालवीय के बड़े भाई मंगल मालवीय ने अपने ही बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने बेटे को 12 बोर की बंदूक से दो गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना माकड़ौन में सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे की है।

एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला ने बताया- माकड़ौन तहसील के सुचाई गांव में मंगल मालवीय का बेटे अरविंद मालवीय (30) से जमीन और किराना दुकान के पैसे को लेकर विवाद हुआ था। कहासुनी इतनी बढ़ी कि गुस्से में मंगल ने लाइसेंसी बंदूक से बेटे अरविंद पर तीन फायर किए। पहली गोली चलने के बाद वो छत की तरफ भागा तो पिता भी उसके पीछे दौड़े। इसके बाद बेटे को सीढ़ियों पर दो और गोलियां मारी। एक गोली सिर और दूसरी छाती पर लगने से अरविंद की मौके पर ही मौत हो गई।

विधायक सतीश मालवीय के बड़े भाई हैं मंगल

आरोपी मंगल मालवीय पूर्व विधायक नागूलाल मालवीय के बड़े बेटे और घट्टिया से भाजपा के मौजूदा विधायक सतीश मालवीय के बड़े भाई हैं। फिलहाल पुलिस मंगल को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

माकड़ौन में करीब सात बीघा जमीन को लेकर विवाद

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मंगल मालवीय के दो बेटे, दो बेटियां हैं। परिवार के पास माकड़ौन में करीब सात बीघा जमीन है। अरविंद बड़ा बेटा था। छोटे बेटे का नाम रविंद्र है। अरविंद शादीशुदा था, उसका एक बेटा है। ये भी पता लगा है कि पिता-बेटे के बीच देवास के सुनवानी गांव में भी पैतृक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

पत्नी के हिस्से की जमीन से मिले थे 10 लाख रुपए

जांच में पता चला है कि, मंगल मालवीय घर जमाई बनकर रह रहे थे। बाद में अपना अलग घर बना लिया। कुछ दिन पहले ही मंगल के साले ने जमीन बेची थी। जमीन पर पत्नी का हक होने की बात को लेकर उन्होंने बेची गई जमीन की बिक्री पर आपत्ति लगा दी थी।

बाद में साले और मंगल के बीच समझौता हुआ और साले ने करीब 10 लाख रुपए मंगल को दिए। इसी जमीन से मिली राशि में बेटा अरविंद अपना हिस्सा मांग रहा था और इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था।

परीक्षार्थियों को अंक योजना, पांचवीं-आठवीं की परीक्षा में इस बार छोटे जवाब अधिक देना होगा

भोपाल (नप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की पांचवी और आठवीं की वार्षिक परीक्षा के प्रश्नपत्रों की रूपरेखा और अंक योजना जारी हो गई है। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों को प्रश्नों के छोटे-छोटे उत्तर अधिक देने होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि इस परीक्षा में वस्तुनिष्ठ, रिक्त स्थान भरो और अति लघु उत्तरीय प्रश्न अधिक पूछे जाएंगे। वहीं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या बेहद कम होगी। प्रत्येक विषय में दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या चार होगी। वहीं पांच बहु विकल्पीय प्रश्न, पांच रिक्त स्थान भरो और छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों की संख्या भी छह होगी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा निर्धारित ब्लू प्रिंट के आधार पर प्रश्न-पत्र तैयार होंगे। सरकारी स्कूलों के लिए प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से तैयार कराए जाएंगे, जबकि निजी स्कूल निर्धारित ब्लू प्रिंट के आधार पर प्रश्न-पत्रों को स्वयं तैयार कराएंगे। सरकारी स्कूलों में भाषा विषय (हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत) की राज्य स्तर के एससीईआरटी पाठ्यपुस्तक से और निजी स्कूलों में एनसीईआरटी से प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं अन्य विषयों के प्रश्नपत्र एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक से पूछे जाएंगे।

भोपाल जिले के 68 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे- भोपाल जिले में दोनों कक्षाओं की परीक्षा में करीब 68 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। इसमें पांचवीं के 34,213 और आठवीं के 34,773 विद्यार्थी होंगे।

प्रधानमंत्री से उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की शिष्टाचार भेंट

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संसद भवन नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ऐतिहासिक, सर्व समावेशी एवं लोक कल्याणकारी बजट के लिये आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी से राज्य के विकास के विभिन्न विषयों में मार्गदर्शन प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक होता है।

सोशल मीडिया में फोटो अपलोड कर बाबू घिरे

मध्य प्रदेश में मंत्री स्टाफ में निज सहायक नियुक्तियों को लेकर संघ ने सख्त पैमाना अपनाया था। इसी आधार पर अधिकांश मंत्रियों के निज सहायक व अन्य स्टाफ की तैनाती की गई, लेकिन मध्य प्रदेश के एक उप मुख्यमंत्री के स्टॉफ में पदस्थ एक कर्मचारी के रिश्ते कांग्रेस सरकार में पूर्व मंत्री से उजागर होने से हड़कम्प मच गया है। बाबू साहब हाल

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

में धार्मिक निज यात्रा पर निकले थे। इसी दौरान कांग्रेस की सरकार में पावरफुल मंत्री रहे नेता जी उनका स्वागत करने 80 किलोमीटर दूर बाबू के पास पहुँच गए और इस स्वागत के फोटो भी उन्होंने सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए। विपक्ष के नेता की सरकार के उप मुख्यमंत्री के यहां पदस्थ बाबू की जुगल बन्दी मुख्यमंत्री सहित आरएसएस संज्ञान में आ गई है।

ब्रिज पर दरार, फिर बक्शे गये अफसर

निर्माण से जुड़े विभागों में भ्रष्टाचार कोई नई बात नहीं है, लेकिन हद तो तब हो गई, जब अधिकारियों और ठेकेदारों के इस भ्रष्ट गठजोड़ ने सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट को भी नहीं छोड़ा। मुख्यमंत्री ने राजधानी के जिस ओवर ब्रिज का चंद दिनों पहले उद्घाटन किया। उसमें ही दरारें पड़ गईं। आनन फानन में निर्माण विभाग के प्रशासनिक मुखिया को एसी कक्ष से बाहर निकलना पड़ा और मौका मुआयना कर एक्शन लेने को मजबूर होना पड़ा। हालांकि प्रशासनिक मुखिया की ऐसी क्या मजबूरी थी कि इस एक्शन में भी निर्माण विभाग के बड़े मगरमच्छ अधिकारी क्यों बचा लिए गए और अदने अधिकारियों पर गाज गिर गई ? बता दें इसी से लगे मेट्रो रेलवे के स्टेशन की ऊंचाई की तकनीकी कमी को मुख्य सचिव पकड़ चुके हैं।

पूर्णांक की ओर

मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा ने मंडल अध्यक्षों को पत्र लिखकर अपने अध्यक्षीय कार्यकाल की समाप्ति का संकेत दे दिया है। अध्यक्ष ने प्रदेश के सभी मंडल अध्यक्षों को पत्र लिखकर एक किताब भी प्रेषित की है जिसका शीर्षक है पूर्णांक की ओर। भाजपाई राजनीतिक गलियारों में इस पुस्तक को कभी दिलचस्पी के तौर पर पढ़ा जा रहा है। अध्यक्ष ने पत्र में मंडल अध्यक्षों को पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए पांच निष्ठाओं पर काम करने का आव्हान किया है। साथ ही लिखा है कि पार्टी को परिवार, जाति और नेता से नहीं, सामूहिकता के भाव से आगे बढ़ाना है। हालांकि यह बात अलग है कि पार्टी अध्यक्ष के तौर पर जातिवाद को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप अध्यक्ष महोदय पर लगे हैं और मध्य प्रदेश में जिला कार्यकारिणी इसके आदर्श उदाहरण रहे है। जिसकी शिकायत दिल्ली तक हुई। खैर, कुल जमा शर्मा जी का अध्यक्षीय कार्यकाल शानदार है।

IAS को मनचाही पोस्टिंग

प्रदेश की एक सीनियर महिला आईएएस अधिकारी को पहाड़ और वादियां बहुत पसंद है। सरकार ने उनकी मुराद भी पूरी मनचाही पोस्टिंग से कर दी है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर 5 साल के लिए भारत सरकार ने उन्हें एक इंस्टिट्यूट में पदस्थ किया है। बताया जा रहा है कि महिला आईएएस अधिकारी को पहाड़ और वादियां काफी पसंद है। उन्होंने मध्य प्रदेश में पहाड़ों की रानी पचमढ़ी में अपना एक बड़ा आशियाना भी बनवाया है जहां वो वीकेंड पर जरूर जाती थी। अब उनकी पोस्टिंग ही भारत सरकार के एक ऐसे ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में हो गई है जो पहाड़ों पर मौजूद है। बता दें कि महिला आईएएस उन चुनिंदा अफसर में शामिल हैं जिनके आशियाने पचमढ़ी में है।

सीएम का राजोरा पर भरोसा

मप्र में 3 साल बाद उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ को लेकर सरकार के मुखिया अलर्ट हो गए हैं। इसकी वजह प्रयागराज महाकुंभ का हादसा है। चूंकि सरकार के मुखिया स्वयं उज्जैन से हैं तो अलर्ट होना स्वाभाविक भी है। इसीलिए उज्जैन के प्रत्येक कार्य की सीधी मानिटरिंग स्वयं कर रहे हैं। साथ ही अपने विश्वस्त अधिकारी अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा को इसका जिम्मा सौंपा है। मुख्यमंत्री सचिवालय में महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ अपर मुख्य सचिव, जापान यात्रा से लौट के बाद उज्जैन गए थे और वहां अधिकारियों की मैराथन मीटिंग में मुख्यमंत्री की मंशा से अवगत करा दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव, आईएएस राजोरा पर इसलिए भी भरोसा कर रहे हैं क्योंकि 2004 का सिंहस्थ कुंभ राजोरा की कलेक्ट्री में सफल आयोजित हुआ था।

दिग्गजों की उपेक्षा!

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी दिल्ली तलब हैं या राजनीतिक दौरे पर है? यह एक प्रश्न कांग्रेस की दीर्घा में गूंज रहा है। महू में हुई कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में पार्टी के दो वरिष्ठ दिग्गज नेताओं की उपेक्षा जिस तरीके से हुई उसको लेकर दिल्ली तक में चर्चा है। बताया जाता है कि रैली में कांग्रेस के दोनों दिग्गज नेताओं का राहुल गांधी के आने से पहले भाषण करवाकर दिया लेकिन जब राहुल गांधी मंच पर पहुंचे तो दोनों नेताओं को खास तवज्जो नहीं मिली। इससे दोनों वरिष्ठ दिग्गज नेताओ के समर्थक नाराज है। समर्थक अपने नेताओं की उपेक्षा को लेकर प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ अक्रोशित हैं और यह बात दिल्ली तक पहुंचा दी है।